त्रिपुरी टाइम्स

11th ANNIVERSARY

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 111

जबलपुर, मंगलवार 19 मई 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

केरल में नई सरकार का गठन, वीडी सतीशन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तिरुवनंतपुरम में भव्य समारोह में दिखी राजनीतिक एकता

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल की राजनीति में आज एक बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब राजधानी तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में नवगठित सरकार का शपथ ग्रहण समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वीडी सतीशन ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जबकि उनके साथ 20 सदस्यीय मंत्रिमंडल ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। समारोह में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की मजबूत मौजूदगी रही। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता इस अवसर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सहयोगी दलों के नेताओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली, जिससे राजनीतिक एकजुटता का संदेश गया।

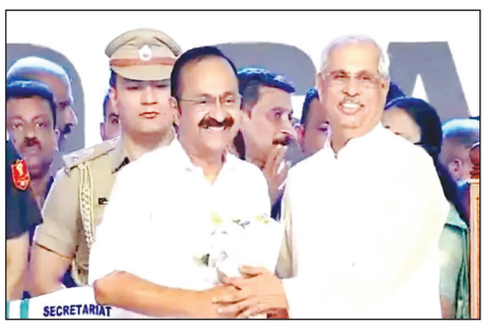

वीडी सतीशन का राजनीतिक सफर

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले वीडी सतीशन का राजनीतिक जीवन संघर्ष और निरंतर मेहनत की कहानी रहा है। उन्होंने 1990 के दशक में छात्र राजनीति से अपने करियर की शुरुआत की थी। वर्ष 1996 में उन्होंने पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से आने वाले सतीशन की कोई राजनीतिक विरासत नहीं रही, बावजूद इसके उन्होंने लगातार राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाई। बाद में उन्होंने केरल उच्च न्यायालय में वकालत भी की, जिससे उनकी प्रशासनिक और कानूनी समझ और मजबूत हुई। सतीशन को जमीन से जुड़ा हुआ नेता माना जाता है, जो आम जनता से सीधे संवाद और व्यक्तिगत संपर्क में विश्वास रखते हैं। उनके समर्थकों का मानना है कि उनमें नेतृत्व क्षमता शुरू से ही मौजूद थी, जिसे उन्होंने समय के साथ और अधिक मजबूत किया।

मंत्रिमंडल में अनुभवी और युवा चेहरों का मिश्रण

नए मंत्रिमंडल में कुल 20 मंत्रियों को शामिल किया गया है, जिसमें वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं के साथ-साथ कई नए चेहरों को भी जगह दी गई है। प्रमुख नामों में वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्नितला, के. मुरलीधरन और केरल प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) अध्यक्ष सनी जोसेफ शामिल हैं। इसके अलावा सहयोगी दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के वरिष्ठ नेता पी.के. कुन्हालीकुट्टी, पी.के. बशीर, एन. समसुद्दीन, के.एम. शाजी और वी.ई. अब्दुल गफूर ने भी मंत्री पद की शपथ ली। अन्य मंत्रियों में मॉन्स जोसेफ, शिबू बेबी जॉन, अनूप जैकब, सी.पी. जॉन, ए.पी. अनिल कुमार, टी. सिद्दीकी, पी.सी. विष्णुनाथ, रोजी एम. जॉन, बिंदू कृष्णा, एम. लिजू, के.ए. थुलसी और ओ.जे. जनीश शामिल हैं।

नीतीश को दफन किया! और जेडीयू को बना दिया थैली की पार्टी

पटना,एजेंसी। पूर्व सांसद और बाहुबली नेता आनंद मोहन ने जनता दल (यूनाइटेड) और वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों पर तीखा हमला बोला है, जिससे बिहार का सियासी पारा पूरी तरह चढ़ गया है। सीतामढ़ी जिले के डुमरा रोड स्थित एक होटल में आयोजित महाराणा प्रताप प्रतिमा स्थापना समारोह की तैयारी बैठक में आनंद मोहन ने अपनी ही पत्नी लवली आनंद (जदयू सांसद) और बेटे चेतन आनंद (जदयू विधायक) की पार्टी के खिलाफ जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने आरोप लगाया कि आज जदयू में पूरी तरह से थैली की राजनीति (धनबल का खेल) हावी हो चुकी है और नीतीश कुमार की मजबूरी का फायदा उठाया जा रहा है। आनंद

मोहन ने सरकार और एनडीए के पोस्टरों व बोर्ड से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का चेहरा गायब होने पर गहरी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि जिस कठिन दौर से गुजरते हुए नीतीश कुमार ने इस पार्टी को खड़ा किया, आज उन्हें जीते जी दफन करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने एक हालिया घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि मंच पर शपथ ग्रहण समारोह हुआ, जिसमें 85 विधायकों के समर्थन वाले नेता नीतीश कुमार स्वयं मौजूद थे, लेकिन वहां उनकी तस्वीर तक नहीं लगाई गई। इसके अलावा उन्होंने सवाल उठाया कि बिहार में जो नए सरकारी बोर्ड लग रहे हैं, उनमें से उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी और बिजेंद्र यादव का नाम क्यों गायब कर दिया गया है। अपने बेटे चेतन आनंद को मंत्रिमंडल में जगह न मिलने के सवाल पर आनंद मोहन ने कहा कि विपक्षी एक नैरेटिव बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि मैं बेटे के मंत्री न बनने से बौखला गया हूं। लेकिन हकीकत यह है कि जदयू में सिर्फ पैसे का खेल चल रहा है और जो थैली पहुंचा रहा है, वही मंत्री बन रहा है।

विपक्षी एकजुटता की कमी ने बिगाड़ा ममता का खेल

वोट बंटवारे से टीएमसी को भारी नुकसान

कोलकाता, एजेंसी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों ने यह साबित कर दिया है कि विपक्षी एकजुटता के बिना चुनाव जीतना आसान नहीं है। पश्चिम बंगाल में भाजपा विरोधी वोटों के बंटवारे की वजह से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को करीब तीन दर्जन सीटों का भारी नुकसान उठाना पड़ा है। चुनाव परिणामों के आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि सूबे की 294 विधानसभा सीटों में से भाजपा 207 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है, जबकि टीएमसी के खाते में महज 80 सीटें ही आई हैं। इस चुनाव में कांग्रेस को 2 और लेफ्ट को 1 सीट पर संतोष करना पड़ा है।

राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, अगर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव से पहले कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया होता, तो राज्य की सियासी तस्वीर पूरी तरह अलग हो सकती थी। प्रदेश की एक दर्जन से अधिक सीटों पर कांग्रेस ने टीएमसी के खेल को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। साल 2021 के चुनाव में इनमें से 10 सीटें टीएमसी के पास थीं, लेकिन इस बार इन सीटों पर कांग्रेस को टीएमसी और भाजपा के बीच जीत-हार के अंतर से भी अधिक वोट मिले हैं। इसके अलावा, छह सीटों पर टीएमसी को नोटा की वजह से नुकसान हुआ, जहां कांग्रेस को नोटा से ज्यादा वोट प्राप्त हुए थे।

वोटों के इस बिखराव का सीधा फायदा भाजपा को मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में भी मिला। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर दिनाजपुर की कुल 43 सीटों में से 20 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। इसका मुख्य कारण यह रहा कि मुस्लिम मतदाता कांग्रेस, लेफ्ट, इंडियन सेकुलर फ्रंट और अन्य क्षेत्रीय दलों के बीच बंट गए, जबकि पिछले चुनाव में यह वोट बैंक पूरी तरह टीएमसी के पक्ष में एकजुट था। 2021 में टीएमसी ने इन 43 में से 35 सीटें जीती थीं और भाजपा को सिर्फ आठ सीटें मिली थीं।

सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु सरकार की पैरवी करेंगी महिला अधिवक्ता

- **सीएम विजय का महिला शक्ति को लेकर क्रांतिकारी फैसला**
- **भाजपा के परिसीमन और महिला बिल की राजनीति पर पलटबार**

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय थलापती रोजाना ही नए-नए ऐसे निर्णय ले रहे हैं, जो भारतीय राजनीति के लिए बड़े क्रांतिकारी फैसले के रूप में देखे जा रहे हैं। इसी कड़ी में सुप्रीम कोर्ट में सरकार की ओर से महिला अधिवक्ता पैरवी करने का मामला भी जुड़ गया है।

दरअसल तमिलनाडु के बहुत से मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, जिनमें लगातार तमिलनाडु सरकार को अपना पक्ष रखना होता है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार की ओर से जो वरिष्ठ अधिवक्ता जूनियर सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किए जाते हैं। उसके लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय महिला टीम को सुप्रीम कोर्ट में उतारना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट में तमिलनाडु

सरकार की पैरवी महिला अधिवक्ताओं द्वारा हो, यह निर्णय तमिलनाडु सरकार लेने जा रही है।

महिलाओं को लेकर इस समय भारत की राजनीति उफान पर है। 2023 में 33 फ़ीसदी महिला आरक्षण बिल संसद में पास हो चुका है। इसे मोदी सरकार ने जनगणना और परिसीमन के बाद लागू करने का निर्णय लिया था। पांच राज्यों में जब विधानसभा के चुनाव चल रहे थे। तीन राज्यों का मतदान हो चुका था। तमिलनाडु के चुनाव चल रहे थे। उस समय केंद्र सरकार ने विशेष सत्र बुलाकर परिसीमन बिल को महिला बिल कहकर, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनाव में मतदान के पहले महिलाओं के नाम पर जो राजनीति की थी। उसी का जवाब अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय केंद्र सरकार को देना चाह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में महिला अधिवक्ताओं के माध्यम से वह यह संदेश सारे देश में पहुंचाना चाहते हैं।

तमिलनाडु महिलाओं के लिए आज से नहीं बहुत पहले से विशेष सुविधाएं देता आया है। अब न्याय जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में तमिलनाडु सरकार शत- प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी दे रही है। तमिलनाडु सरकार देश को यह संदेश देना चाहती है, महिलाओं के आरक्षण और महिलाओं के सामाजिक विकास में मुख्यमंत्री विजय विशेष रुचि लेकर काम कर रहे हैं। तमिलनाडु सरकार के इस निर्णय से केंद्र की मोदी सरकार और भाजपा को एक बड़ी चुनौती सारे देश में देने की तैयारी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय कर रहे हैं। उनके शपथ ग्रहण समारोह को लेकर जिस तरह से केंद्र सरकार और राज्यपाल ने शपथ लेने से रोका था। उसके बाद से ही तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय काफी आक्रामक हैं। तमिलनाडु की इस विधानसभा चुनाव में विजय को महिलाओं का एक बड़ा समर्थन मिला है। महिलाओं को आगे रखकर अब वह एक बड़ी राजनीति की शुरुआत करने जा रहे हैं।

आजादी मिलने के बाद भी रोहनात गांव में आज भी जमीन के लिए संघर्ष कर रहे लोग

अंग्रेजों ने ग्रामीणों की भूमि कर दी थी नीलाम, तोपों से उड़ा दिया था पूरा गांव

चंडीगढ़,एजेंसी। हरियाणा का एक ऐसा गांव जहां आजादी के 71 साल बाद राष्ट्रीय ध्वज लहराया गया। आजादी के 71 साल बाद 23 मार्च 2018 को पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने इस गांव में जाकर ध्वजारोहण किया था। दरअसल इस गांव की रूह कंपाने वाली कहानी सन 1887 की है, जब इस गांव के लोगों को अंग्रेजी हूकूमत ने बड़ी बर्बरता के साथ मौत के घाट उतार दिया था। भिवानी जिले के रोहनात गांव का इतिहास आज भी स्वतंत्रता संग्राम की उन घटनाओं की याद दिलाता है, जिसने इस क्षेत्र को खून और संघर्ष से रंग दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक भिवानी जिले का रोहनात गांव 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बड़ा केंद्र रहा। स्थानीय लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जमकर संघर्ष किया, जिसके बाद अंग्रेजों ने गांव पर भीषण दमन किया। जानकारी के मुताबिक उस दौर में गांव पर तोपों से हमला किया गया और कई ग्रामीणों को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। बचे हुए लोगों को हांसी ले जाकर रोड रोलर से कुचलने की भी घटनाओं का जिक्र इतिहास में मिलता है। यह सड़क आज भी 'लाल सड़क' के नाम से जानी जाती है। अंग्रेजी हूकूमत की ये बर्बरतापूर्ण घटना 29 मई 1857 की है। जब रोहनात गांव में ब्रिटिश सैनिकों ने इस दिन बर्बर खूनखराबा किया था, लेकिन रोहनात गांव के लोगों ने अंग्रेजों का डटकर मुकाबला किया। ग्रामीणों ने देसी औजारों से अंग्रेजी हुकूमत का सामना किया, लेकिन उनके हथियारों और तोपों के सामने गांव वालों की चल न सकी। अंग्रेजों ने गांव को तोपों से उड़ा दिया और कई ग्रामीणों को रोड रोलर से कुचल दिया। ब्रिटिश सैनिकों ने गांव वालों को पीने का पानी भी नहीं लेने दिया और कुंए के मुंह को मिट्टी से ढक दिया। उसके बाद लोगों को फांसी पर लटका दिया था। इस हमले के बाद अंग्रेजों ने भी गांव पुठी मंगल क्षेत्र में तोपों से हमला करना शुरू किया। गांव रोहनात के सैकड़ों लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इतना ही नहीं गांव के बिरड़ दास बैरागी को तोप पर बांध कर उनके शरीर को चीथड़ों की तरह उड़ा दिया। गांव की कई महिलाओं ने उस दौरान अपनी इज्जत बचाने के लिए गांव के कुंए में कूद कर अपनी जान दे दी।

नेपाल में चीन की योजना फेल- 9 साल बाद भी नहीं हुई शुरु

काठमांडू, एजेंसी। काठमांडू से आई एक ताजा रिपोर्ट ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) की जमीनी हकीकत पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। नेपाल ने वर्ष 2017 में चीन के साथ बड़े सपनों और उम्मीदों के साथ बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। लेकिन इस समझौते के नौ साल बाद भी जमीन पर कोई बड़ा प्रोजेक्ट आकार नहीं ले सका है और नेपाल के हाथ अब तक लगभग खाली हैं। नेपाल और चीन के बीच 12 मई 2017 को इस ऐतिहासिक समझौते के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिससे नेपाल में इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में बड़े बदलाव की उम्मीद थी। हालांकि, वर्ष 2026 तक के मौजूदा हालात यह साफ बयां करते हैं कि कोई भी प्रमुख परियोजना अब तक पूरी तरह लागू नहीं हो पाई है। इस बीच दोनों देशों के बीच पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को लेकर भी गहरा विवाद खड़ा हो गया है। चीन ने पश्चिमी नेपाल में बने इस एयरपोर्ट को बीआरआई की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करने की कोशिश की, लेकिन नेपाल

सरकार ने इसे बीआरआई परियोजना मानने से साफ इनकार कर दिया। नेपाल का रुख स्पष्ट है कि पोखरा एयरपोर्ट पर बातचीत चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा 2013 में बीआरआई की घोषणा करने से पहले ही शुरू हो चुकी थी। नेपाल के तत्कालीन विदेश मंत्री एन पी सऊद ने भी संसद में यह स्वीकार किया था कि देश में एक भी बीआरआई प्रोजेक्ट जमीन पर नहीं उतर सका है। शुरुआती दौर में नेपाली पक्ष ने इसके तहत 35 परियोजनाओं का प्रस्ताव रखा था, जिसे बाद में चीन के सुझाव पर घटाकर केवल नौ कर दिया गया। दिलचस्प बात यह है कि बीआरआई के तहत प्रस्तावित परियोजनाओं में से एक, 480 मेगावाट के फुकोट करनाली हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट की कमान अब भारत की एनएचपीसी लिमिटेड और विद्युत उत्पादन कंपनी लिमिटेड ने संभाल ली है और दोनों मिलकर इसे विकसित कर रहे हैं। वहीं, 756 मेगावाट के तमोर स्टोरेज हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को लेकर भी नेपाल और चीन के बीच मतभेद गहरे बने हुए हैं। दिसंबर 2024 में तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली की चीन यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने बीआरआई कार्यान्वयन योजना पर हस्ताक्षर तो किए, जिसके तहत सीमा-पार रेलवे सहित 10 नई परियोजनाएं चुनी गईं। इसके बावजूद, केरुंग-काठमांडू रेलवे जैसी कुछ परियोजनाओं पर केवल शुरुआती कागजी काम ही चल रहा है। नेपाल अब चीन के साथ अपनी रणनीति में बेहद सतर्कता बरत रहा है, जिससे इस महापरियोजना का भविष्य फिलहाल अधर में लटका नजर आ रहा है।

किराए पर ली थार, फिर औने-पौने दाम में बेच डाली

नई दिल्ली,एजेंसी। गुरुग्राम में दो दोस्तों द्वारा घूमने के बहाने किराए पर ली गई महिंद्रा थार को वापस लौटाने के बजाय राजस्थान में औने-पौने दाम में बेचने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सेक्टर-5 थाना पुलिस ने इस धोखाधड़ी का पर्दाफाश करते हुए दोनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है, जहां उनसे गाड़ी की बरामदगी को लेकर गहन पूछताछ की जा रही है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान 34 वर्षीय मनोज पंवार और 23 वर्षीय सुमित के रूप में हुई है, जिनमें से मनोज हरियाणा के बहादुरगढ़ का और सुमित झज्जर जिले का रहने वाला है। यह पूरा मामला तब रोशनी में आया जब सेक्टर-6 में कार रेंटल का बिजनेस करने वाले एक कारोबारी ने पुलिस में अपनी थार गाड़ी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता के मुताबिक, गत 22 अप्रैल को एक व्यक्ति दो दिन के सफर पर जाने का बहाना बनाकर उनकी दुकान से महिंद्रा थार किराए पर लेकर गया था। जब निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी गाड़ी वापस नहीं आई और आरोपी का मोबाइल फोन लगातार बंद आने लगा, तब रेंटल कंपनी के मालिक को ठगी का अहसास हुआ और उसने पुलिस की शरण ली। कारोबारी की शिकायत पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने जांच शुरू की और गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार को झज्जर जिले के बहादुरगढ़ से दोनों आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

ईंधन संकट के बाद अब वैश्विक इंटरनेट पर मंडराया संकट

होर्मुज में नई चाल चलने जा रहा ईरान

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच हालिया युद्ध के कारण दुनिया भर में पैदा हुए ईंधन संकट के बाद अब वैश्विक इंटरनेट पर बड़ा संकट मंडराने लगा है। दो महीने से अधिक समय से जारी तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पहले से ही बंद पड़ा है, जिससे एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की सप्लाई चेन ठप है। इस बीच, ईरान अब समुद्र के नीचे बिछी इंटरनेट केबल्स को नया हथियार बनाने की धमकी दे रहा है। ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के नीचे सक्रिय उन महत्वपूर्ण फाइबर-ऑप्टिक केबल्स को निशाना बना सकता है, जो खाड़ी देशों,

एशिया और यूरोप के बीच डेटा ट्रांसफर का मुख्य जरिया हैं। रणनीतिक रूप से इस समुद्री रास्ते के नीचे कई बेहद महत्वपूर्ण नेटवर्क सक्रिय हैं। इनमें दक्षिण-पूर्व एशिया को यूरोप से जोड़ने वाला एएई-1 नेटवर्क, भारत और श्रीलंका को खाड़ी देशों व मिस्र से जोड़ने वाला फेलकॉन नेटवर्क और पूरे खाड़ी क्षेत्र को जोड़ने वाला गल्फ ब्रिज इंटरनेशनल शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन के अनुसार, दुनिया का 99 फीसदी अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट ट्रैफिक इन्हीं सबसी केबल्स के जरिए चलता है। ये केबल्स यूएई, कतर, सऊदी अरब जैसे डिजिटल देशों की लाइफलाइन हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन केबल्स को नुकसान पहुंचने पर इंटरनेट स्पीड धीमी हो जाएगी, ऑनलाइन बैंकिंग ठप होगी और अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान होगा, क्योंकि सैटेलाइट्स कभी भी इन केबल्स जितना भारी डेटा लोड नहीं संभाल सकते। इस बीच, पश्चिम एशिया में रणनीतिक स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। युद्ध के बाद सीजफायर होने के बावजूद तनाव कम नहीं हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी दी है और कयास लगाए जा रहे हैं कि अमेरिका जल्द ही ईरान पर फिर से बड़ा सैन्य हमला कर सकता है, जिससे यह संकट और अधिक गहराने की आशंका है।

केबल्स पर शुल्क लगाएगा ईरान

ईरानी रेवलूशनरी गार्ड्स से जुड़े सैन्य प्रवक्ता इब्राहिम जोलफघारी ने सोशल मीडिया पर इस नई रणनीति का संकेत देते हुए कहा कि वे इन केबल्स पर शुल्क लगाएंगे। इस योजना के तहत ईरान गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा और अमेजन जैसी दिग्गज वैश्विक टेक कंपनियों से इन अंडरसी केबल्स के इस्तेमाल के लिए भारी-भरकम टोल टैक्स वसूलने की तैयारी में है। इसके अलावा, इन केबल्स की मरम्मत और रखरखाव का काम भी केवल ईरानी कंपनियों को देने की शर्त रखी जा रही है। ईरान का कहना है कि यदि टेक कंपनियों ने उसके नियमों को नहीं माना, तो इस रूट के पूरे इंटरनेट ट्रैफिक को ठप कर दिया जाएगा।

एमपी में 48 घंटे में भरने होंगे सड़कों के गड्ढे

सुप्रीम कोर्ट की रोड सेफ्टी कमेटी ने दो महीने में मांगी रिपोर्ट; बेरिकेडिंग भी करनी पड़ेगी

भोपाल। सड़क पर बने गड्ढों, खुले नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों में अब प्रशासन और सड़क निर्माण एजेंसियों को बैरिकेडिंग करनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर 48 घंटे के भीतर गड्?ढे भरने और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा है। मुख्य सचिव को भेजे पत्र में सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑफ रोड सेफ्टी ने दो महीने में रिपोर्ट मांगी है। बारिश में ऐसे स्थानों पर रात में प्रकाश व्यवस्था रखने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि सड़क हादसे न हों। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑफ रोड सेफ्टी ने बढ़ते सड़क हादसों को लेकर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। समिति ने गड्ढों, खुले नालों, मैनहोल और बिना बैरिकेड वाले जलभराव क्षेत्रों की तुरंत मरम्मत और सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा है। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव को भी इस संबंध में निर्देश जारी कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। समिति ने पत्र में कहा है कि सड़क किनारे खुले और बिना रोशनी वाले जलभराव क्षेत्र तथा खराब सड़कें जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण बन रही हैं। सड़क सुरक्षा में लापरवाही से कई लोगों की जान जा चुकी है।

सूचना मिलने पर 48 घंटे में भरे जाएं गड्ढे : समिति ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि चिन्हित गड्ढों की तत्काल मरम्मत की जाए तथा किसी भी खतरे की सूचना मिलने के 48 घंटे के भीतर कार्रवाई हो। साथ ही खुले मैनहोल, नालों और जलभराव वाले स्थानों पर मजबूत बैरिकेडिंग, रिफ्लेक्टिव टेप और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा। निदेर्शों में कहा गया है कि सड़क निर्माण और रखरखाव भारतीय सड़क कांग्रेस के मानकों के अनुसार होना चाहिए। समिति ने कहा है कि निदेर्शों का पालन नहीं करने वाले राज्यों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है। एमपी समेत सभी राज्यों को दो महीने में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं।

पांच साल के हादसों का डेटा मांगा : जिला सड़क सुरक्षा समितियों को नियमित ऑडिट कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के आदेश दिए गए हैं। समिति ने राज्यों से पिछले पांच सालों में गड्ढों के कारण हुए हादसों का डेटा मांगा है। खुले जलभराव और बिना बैरिकेड वाले क्षेत्रों में हुई मौतों और घायलों की जानकारी भी मांगी गई है।

मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पर एफआईआर का विरोध

आदिवासी कार्यकताओं ने की रद्द करने की मांग, राज्यपाल को ज्ञापन दिया

बैतूल। बैतूल में सोमवार को मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पर दर्ज एफआईआर के विरोध में कांग्रेस कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष हेमंत वाग्दे, हेमंत पगारिया, सरफराज खान और महिला कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष पुष्पा पंद्राम के नेतृत्व में कार्यकताओं ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में एफआईआर को तत्काल निरस्त करने की मांग की गई। ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार विपक्ष की आवाज दबाने के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी लगातार जनता के मुद्दों को मजबूती से उठा रहे हैं और सरकार की जनविरोधी नीतियों का विरोध कर रहे हैं। इसी राजनीतिक दुर्भावना के कारण उन पर एफआईआर दर्ज की गई है। कांग्रेस कार्यकताओं ने बताया कि हाल ही में जीतू पटवारी ने प्रदेशभर में बढ़ते भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून-व्यवस्था, किसानों की समस्याओं, युवाओं की बेरोजगारी और आदिवासी समाज के अधिकारों जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा था। उनका आरोप है कि सरकार जनता के सवालों का जवाब देने के बजाय विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सरकार को जवाबदेह बनाने की होती है। हालांकि, प्रदेश सरकार असहमति की आवाज को दबाने के लिए दमनात्मक कार्रवाई कर रही है, जिसे कांग्रेस नेताओं ने लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जीतू पटवारी पर दर्ज एफआईआर शीघ्र वापस नहीं ली गई, तो कांग्रेस प्रदेशभर में आंदोलन को और उग्र करेगी। ज्ञापन सौंपते समय बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे। नेताओं ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस अन्याय और राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी, और जनता के अधिकारों की लड़ाई लगातार जारी रहेगी।

मप्र में पारा 45डिग्री पार, राजगढ़ सबसे गर्म

भोपाल। मध्य प्रदेश का आधा हिस्सा भीषण गर्मी की चपेट में है। यहां तापमान 42 डिग्री के पार चल रहा है। रविवार को राजगढ़ में तापमान रिकॉर्ड 45 डिग्री रहा, जबकि 11 में 43 और 4 जिलों में पारा 44 डिग्री पार पहुंच गया। अगले 4 दिन में तापमान 2 से 3 डिग्री बढ़ेगा। इसलिए मौसम विभाग ने दोपहर 12 से 3 बजे तक घरों से बाहर न निकलने की चेतावनी दी है। सोमवार को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, रायसेन, सागर, नरसिंहपुर, जबलपुर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मैहर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में लू का अलर्ट है। इस वजह से तापमान 43 से 44 डिग्री के पार रहेगा।

भोपाल-इंदौर में तेज गर्मी पड़ेगी : सोमवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, झाबुआ, आलीराजपुर, धार, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, सीहोर, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, कटनी, उमरिया, शहडोल, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में लू का अलर्ट नहीं है, लेकिन यहां तेज गर्मी पड़ेगी।

16 शहरों में पारा 43 डिग्री के पार : इससे पहले रविवार को राजगढ़ में पारा 45 डिग्री पहुंच गया। वहीं, 16 शहरों में तापमान 43 डिग्री या इससे अधिक रहा। मौसम विभाग के अनुसार, राजगढ़ के बाद रतलाम में तापमान 44.8 डिग्री, खंडवा में 44.5 डिग्री, नौगांव-खजुराहो में 44.4 डिग्री, गुना में 43.7 डिग्री, श्योपुर, रायसेन-नरसिंहपुर में 43.6 डिग्री, दतिया, शाजापुर-दमोह में 43.4 डिग्री, खरगोन-टीकमगढ़ में 43.2 डिग्री और धार में 43.1 डिग्री रहा। प्रदेश के 5 बड़े शहरों की बात करें तो उज्जैन में 43 डिग्री, भोपाल में 42.7 डिग्री, इंदौर में 42.8 डिग्री, ग्वालियर में 42.6 डिग्री और जबलपुर में तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

बैतूल के ताप्ती नदी में किसान की डूबने से मौत

नहाने के दौरान हुआ हादसा, लोगों की बचाने की कोशिश नाकाम

बैतूल। बैतूल जिले के थानी निवासी अनिल वरकड़े की ताप्ती नदी में डूबने से मौत हो गई। वह बोरिकास गांव में एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम के दौरान वह अन्य लोगों के साथ ताप्ती नदी में नहाने पहुंचे थे। नहाते समय अनिल अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उनके साथ मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। बाद में गांव वालों की मदद से अनिल को नदी से बाहर निकाला गया। हालांकि, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। सोमवार को जिला अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया और फिर परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक अनिल वरकड़े खेती-किसानी का काम करते थे। उनके परिवार में बेटा मजदूरी करता है और बेटी दसवीं कक्षा में पढ़ रही है।

इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती प्यार में बदली, शादी के चार दिन बाद युवती को साथ ले गई पुलिस

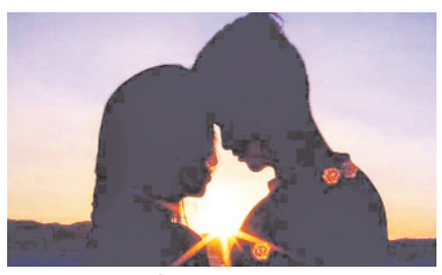

बैतूल। सोशल मीडिया के दौर में इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती प्यार में बदलने का एक मामला मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में सामने आया है, जहां युवक अपनी प्रेमिका को लेने 1200 किलोमीटर दूर उत्तराखंड के देहरादून पहुंच गया। दोनों ने बैतूल लौटकर आर्य समाज मंदिर में विवाह कर लिया, लेकिन शादी के चार दिन बाद उत्तराखंड पुलिस युवती को नाबालिग बताते हुए दोनों को अपने साथ देहरादून ले गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार बैतूल कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पाढर के चोबराढाना निवासी 24 वर्षीय सागर बामने की करीब तीन महीने पहले देहरादून निवासी एक युवती से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच लगातार बातचीत होती रही और बाद में यह दोस्ती प्रेम संबंध में बदल गई। इसके बाद दोनों ने विवाह कर साथ रहने का निर्णय लिया। बताया गया है कि युवती के बुलावे पर सागर बैतूल से देहरादून पहुंचा और 10 मई को युवती को लेकर बैतूल लौट आया। यहां दोनों ने आर्य समाज मंदिर में विवाह किया तथा पंजीकृत विवाह के लिए न्यायालय में आवेदन भी प्रस्तुत किया। वहीं, युवक सागर के परिजनों ने बताया कि युवती ने स्वयं को 19 वर्ष की बालिग बताया था। परिवार ने भी दोनों के रिश्ते को स्वीकार कर लिया था। विवाह के बाद दोनों चोबराढाना स्थित घर में पति-पत्नी के रूप में रह रहे थे।

बीच सड़क स्कार्पियो अड़ाकर बना रहे थे रील

छिंदवाड़ा पुलिस ने बिगाड़ दिया बर्थडे प्लान, थाने ले जाकर परिजनों को दी हिदायत

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा के इमलीखेड़ा अंडरब्रिज पर रविवार-सोमवार की दरमियानी रात बीच सड़क पर जन्मदिन मनाना और रील बनाना कुछ युवाओं को भारी पड़ गया। कोतवाली पुलिस ने सड़क पर स्कार्पियो एन खड़ी कर हुड़दंग कर रहे युवक-युवतियों पर अचानक कार्रवाई की। पुलिस सभी को उनके वाहनों समेत थाने ले गई और देर रात परिजनों को बुलाकर सख्त हिदायत देकर छोड़ा। आधी रात को कुछ युवक-युवतियां गाड़ियां लेकर इमलीखेड़ा अंडरब्रिज पहुंचे थे। यहां बीच सड़क पर स्कार्पियो और अन्य वाहन खड़े कर केक काटने व आतिशबाजी की तैयारी की जा रही थी। एक युवती सोशल मीडिया के लिए गाड़ी के सामने पोज दे रही थी, जबकि उसके दोस्त मोबाइल से वीडियो शूट कर रहे थे।

पुलिस को देखते ही मची अफरा-तफरी, मुंह छिपाकर बैठी युवती : इसी दौरान कोतवाली पुलिस की टीम वहां पहुंच गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस को देखते ही रील बनवा रही युवती तुरंत अपना चेहरा छिपाकर गाड़ी में जा बैठी और अन्य युवक भी इधर-उधर होने लगे। पुलिस ने मौके पर मौजूद सभी लोगों को कड़ी फटकार लगाई और उन्हें गाड़ियों के साथ कोतवाली थाने ले गई।

परिजनों को थाने बुलाकर दी गई सख्त चेतावनी : थाने ले जाने के बाद पुलिस ने रात में ही सभी युवक-युवतियों के परिजनों को वहां तलब किया। परिजनों की मौजूदगी में युवाओं को सड़क पर इस तरह का हुड़दंग न करने की सख्त चेतावनी दी गई। पुलिस की समझाइश और भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने की हिदायत के बाद ही उन्हें घर जाने दिया गया।

हादसों को न्योता देते 'रीलबाजी' ट्रेंड पर पुलिस की नजर : शहर में इन दिनों देर रात गाड़ियों का काफिला निकालकर सड़क पर जन्मदिन मनाने और रील बनाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। बीच सड़क पर वाहन खड़े कर वीडियो शूट करने से यातायात बाधित होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं का गंभीर खतरा बना रहता है। छिंदवाड़ा पुलिस ऐसे मामलों को लेकर पूरी तरह सख्त है और लगातार कार्रवाई कर रही है।

रायसेन में डंपर की चपेट में आया बाइक सवार

काम पर जा रहे 32 वर्षीय मिस्त्री की मौके पर मौत; बिजली के पोल भी टूटे

रायसेन। रायसेन जिले के उमरावगंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह डंपर की चपेट में आने से एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। महाकाल ढाबा तिराहे के पास हुए इस हादसे में युवक डंपर के पिछले टायर के नीचे आ गया था। मृतक पेशे से मिस्त्री था और घटना के वक्त अपने घर से काम पर जा रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान घाटखेड़ी निवासी 32 वर्षीय कैलाश प्रजापति के रूप में हुई है। सोमवार सुबह जब कैलाश अपनी बाइक से काम पर जाने के लिए निकला था, तभी महाकाल ढाबा तिराहे के पास उसकी बाइक अचानक सामने से आ रहे डंपर के सामने आ गई। इसके बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

बचाने के प्रयास में डंपर के पिछले टायर के नीचे आया : उमरावगंज थाना प्रभारी शैलेंद्र तोमर ने बताया कि डंपर चालक ने बाइक सवार को बचाने के लिए अपने वाहन को नीचे की ओर मोड़ने का प्रयास किया था। हालांकि, इसी दौरान बाइक सवार अपना संतुलन खो बैठा और डंपर के पिछले टायर के नीचे आ गया। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में सड़क किनारे लगे कुछ बिजली के पोल भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

शव को टायर के नीचे से निकाला गया

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी शैलेंद्र तोमर अपनी पुलिस टीम के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। जवानों ने मशक्कत के बाद युवक के शव को डंपर के टायर के नीचे से बाहर निकाला। पुलिस ने मौके पर मौजूद भीड़ को नियंत्रित कर यातायात सुचारू कराया और मामले की जांच में जुट गई है।

2 बाइकों की टक्कर में 3 युवकों की मौत

हनोतिया के पास आमने-सामने भिड़ीं; 20 और 15 साल के युवकों ने तोड़ा दम

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हनोतिया के पास रविवार शाम दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल है। प्रारंभिक जांच में हादसे का मुख्य कारण बाइकों की अत्यधिक तेज रफ्तार होना बताया जा रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हनोतिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से कुछ दूरी पर यह हादसा हुआ। दोनों बाइकों पर दो-दो युवक सवार थे। बाइकों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 2 युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी।

इलाज के दौरान गई युवक की जान : सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस के पायलट अशोक मालवी और डायल 112 वाहन से पायलट शिव अमरावती व प्रधान आरक्षक दिलीप उपाध्याय मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को तत्काल जुन्नारदेव अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉ. प्राची साहू ने उनका प्राथमिक उपचार किया। हालांकि, गंभीर चोटें होने के कारण इलाज के दौरान एक और युवक ने दम तोड़ दिया।

मृतकों में 15 वर्षीय किशोर भी शामिल : अस्पताल प्रबंधन और पुलिस के अनुसार, हादसे में जान गंवाने वाले युवकों की पहचान 20 वर्षीय चंद्रभान यादव और 15 वर्षीय चमन यादव के रूप में हुई है। वहीं, इस घटना में इलाज के दौरान 20 वर्षीय सोनू उईके की भी मौत हो गई

मध्यप्रदेश में 5 हजार पेसा मोबिलाइजर्स की सेवाएं समाप्त

पंचायत राज संचालनालय का आदेश,जनजातीय क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने की थी नियुक्ति

भोपाल। मध्यप्रदेश में कार्यभारित और आकस्मिक निधि वाले 1.20 लाख कर्मचारियों के रिक्त पदों को डाइंग कैडर घोषित करने के एक सप्ताह बाद राज्य सरकार ने प्रदेशभर में कार्यरत करीब पांच हजार पेसा मोबिलाइजर्स की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। पंचायत राज संचालनालय ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए सभी संबंधित जिलों को तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश की 5254 ग्राम पंचायतों में पेसा एक्ट लागू होने के बाद ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने और सरकारी योजनाओं को गांवों तक पहुंचाने के लिए पेसा मोबिलाइजर्स की नियुक्ति की गई थी। हालांकि पहले इनके मानदेय को 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 8 हजार रुपए करने की घोषणा पूरी नहीं हो सकी और अब इनकी सेवाएं भी समाप्त कर दी गई हैं।

पंचायत राज संचालनालय ने जारी किए निर्देश : पंचायत राज संचालनालय द्वारा सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि भारत सरकार की आरजीएसए (संशोधित) योजना 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2026 तक प्रभावशील थी। इसी योजना के बजट मद से पेसा मोबिलाइजर्स को मानदेय दिया जाता था। पत्र में उल्लेख किया गया है कि योजना की अवधि 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है और इसके नए स्वरूप को लेकर केंद्र सरकार स्तर पर अभी नीति निर्माण की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में वर्तमान परिस्थितियों में ग्राम पंचायतों के माध्यम से चयनित ग्राम सभा मोबिलाइजर्स की सेवाएं जारी रखना संभव नहीं है। इसलिए संबंधित ग्राम पंचायतों को उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवामुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं।

इन जिलों में प्रभावित होंगे कर्मचारी : यह आदेश विशेष रूप से झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, मंडला, डिंडोरी, अनुपपुर, धार, खरगोन, रतलाम, खंडवा, बुरहानपुर, नर्मदापुरम, बैतूल, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सीधी, शहडोल, उमरिया और श्योपुर सहित पेसा एक्ट के दायरे में आने वाले जिलों के लिए जारी किया गया है।

मानदेय बढ़ाने की घोषणा भी अधूरी रही : पेसा मोबिलाइजर्स को इससे पहले मानदेय नहीं बढ़ने का झटका भी लग चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अक्टूबर 2024 में सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि जनजातीय क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले पेसा मोबिलाइजर्स का मानदेय 4 हजार रुपए से बढ़ाकर 8 हजार रुपए प्रतिमाह किया जाएगा। उस समय करीब 4665 पेसा मोबिलाइजर्स को इसका लाभ मिलने की बात कही गई थी, लेकिन बाद में केंद्र सरकार से फंड नहीं मिलने के कारण यह निर्णय लागू नहीं हो सका।

शिवराज सरकार में शुरू हुआ था पेसा एक्ट : मध्यप्रदेश में पेसा एक्ट का क्रियान्वयन पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में शुरू हुआ था। 15 नवंबर 2022 को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू की मौजूदगी में शहडोल से इसका औपचारिक शुभारंभ किया गया था। प्रदेश के 20 जिलों के 89 विकासखंडों की 5254 पंचायतों और 11757 गांवों में पेसा एक्ट लागू किया गया है। इस कानून के तहत आदिवासी क्षेत्रों की ग्राम सभाओं को विशेष अधिकार दिए गए हैं।

क्या होती है पेसा मोबिलाइजर्स की जिम्मेदारी : पेसा मोबिलाइजर्स की भूमिका जनजातीय क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने, ग्रामीणों को पेसा एक्ट के अधिकारों के प्रति जागरूक करने और ग्राम सभाओं के आयोजन में सहयोग करने की होती है।

जनजातीय अंचल में 3-डी उन्मूलन के लिये बड़वानी पुलिस की पहल

दारू, दहेज और डीजे मुक्त विवाह के लिये चलेगा अभियान

भोपाल। जनजाति अंचल में पनप रही कुरीतियों के खिलाफ एक अनोखी पहल देखने को मिली, जब बड़वानी में पुलिस अधीक्षक स्वयं विवाह समारोह में पहुँचे। इस अवसर पर उन्होंने ह्न3ऊह्व अर्थात दारू, दहेज और डीजे जैसी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन का संकल्प दिलाया। यह विवाह केवल दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की मिसाल बन गया। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी ने लोगों को यह संदेश दिया कि समाज सुधार केवल कानून से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और जागरूकता से संभव है। समारोह में उपस्थित लोगों ने भी 3ऊमुक्त विवाह का समर्थन करते हुए सादगी और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। पुलिस अधीक्षक बडवानी श्री पद्म विलोचन शुक्ल के नेतृत्व में विगत माह से जिला पुलिस बडवानी द्वारा जिले में विवाह समारोह में दहेज, डीजे एवं दारू का उपयोग नही करने हेतु 3-डी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस विभाग की अभिनव पहल से प्रेरित होकर गत 4 मई को ग्राम धवली में पुलिस विभाग व्दारा आयोजित जनसंवाद में ग्राम जुनापानी के श्री रामा नरगावे द्वारा अपने तीनों बच्चो के विवाह समारोह में दहेज, डीजे एवं दारू का उपयोग नही करने का संकल्प लिया था। श्री रामा नरगावे द्वारा 17 मई को अपने पुत्र कृष्णा नरगावे, पुत्री रंजिता नरगावे एवं दिना नरगावे का विवाह समारोह बिना दहेज, डीजे एवं दारू के संपन्न किया गया। श्री रामा नरगावे व्दारा पुलिस अधीक्षक बडवानी श्री पद्म विलोचन शुक्ल को अपने बच्चों के विवाह समारोह में आमंत्रित करने पर पुलिस अधीक्षक द्वारा ग्राम जुनापानी विवाह समारोह में सम्मिलित हुए। उन्होंने दुल्हा-दुल्हनों को शुभकामना संदेश एवं उपहार देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री शुक्ल ने नरगावे दंपति को शॉल-श्रीफल देकर उनकी साहसिक पहल के लिये सम्मानित किया।

प्रशिक्षण से जीवन में होते हैं सकारात्मक परिवर्तन

प्रदर्शनी के उद्घाटन एवं अवलोकन से शुरू हुआ भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पं दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान अंतर्गतभारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारम्भ सांसद आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अशोक रोहाणी, अभिलाष पांडे, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती नंदिता पाठक, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, वर्ग प्रभारी जालम सिंह पटेल, जिला प्रभारी पूर्व सांसद आलोक संजर, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे, निगम अध्यक्ष रिकुंज बिज, निशक्त जन कल्याण प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक संदीप रजक की उपस्थिति में होटल वेटिवर ग्रेंड न्यू पनागर बायपास में किया गया। दो दिवसीय वर्ग के प्रथम दिन सात सत्रों में अलग अलग विषयो पर वक्ताओ ने जबलपुर महानगर के अपेक्षित कार्यकर्ताओ को सम्बोधित किया। प्रशिक्षण वर्ग के प्रारम्भ में विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी का जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों उद्घाटन कर अवलोकन किया गया।

कार्यकर्ता भाव जीवित रहना चाहिए :

वर्ग की प्रस्तावना रखते हुए जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम भाजपा के कार्यकर्ता है। प्रशिक्षण अभियान पूरे देश में चल रहा है, जो हमारे कार्यकर्ता को प्रशिक्षित कर रहा है, हम वक्ताओं के द्वारा दिए उद्बोधन को ग्रहण करेंगे, आत्मसात करेंगे, प्रशिक्षण से जीवन में परिवर्तन आता है, हमारे भीतर कार्यकर्ता भाव सदैव जीवित रहना चाहिए ताकि हम सदैव सीख सकें भाजपा का नेतृत्व विभिन्न सत्रों के माध्यम से 11 सत्रों में प्रशिक्षित करेगा जो विचार वक्ता आपको देंगे वही प्रशिक्षण का मूल तत्व है आप प्रशिक्षित होकर अपना व्यक्तित्व निर्माण करके राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभा सकते है भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से प्रशिक्षित हो रहा है।

भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर :

प्रथम सत्र में भाजपा का इतिहास एवं विकास विषय पर सांसद आशीष दुबे ने सम्बोधित करते हुए कहा जब हम किसी परिवार में जन्म लेते है तो सर्वप्रथम वह अपने परिवार की जानकारी प्राप्त करता है यही कारण है कि हमें अपने दल के इतिहास के विषय में जानकारी होना चाहिए। भारतीय जनसंघ की स्थापना की 1952 हुई। आम चुनाव में जनसंघ के 3 सांसद चुनकर आये, धीरे धीरे हमारी यात्रा प्रारम्भ हुई। जनसंघ से प्रारम्भ हुई यात्रा में पहले जनता पार्टी और 1980 में भारतीय जनता पार्टी का उदय हुआ। प्रारम्भ काल में हमें सफलता नहीं मिली किन्तु संगठन खड़ा हुआ। हमारे नेतृत्व ने परिवर्तन के लिए कार्य किया 1989 में हम 86 सीटों पर जीते, राम मंदिर आंदोलन में आडवाणी जी के नेतृत्व में एक यात्रा सोमनाथ से अयोध्या तक निकाली गई, 1997 में 3 दिन, 1998 में 13 दिन की सरकार स्व अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में बनी, उसके बाद आम चुनाव 1999 में हुए हमारी सरकार पांच साल तक रही परन्तु सरकार की उपलब्धि को जनता तक नहीं पहुंचाए और 2004 में कांग्रेस की सरकार बनी 10 वर्षों तक रही। इसके बाद 2014 में एक क्रांतिकारी निर्णय; जनता ने लिया, और स्पष्ट बहुमत से भाजपा की सरकार बनी, मोदीजी के नेतृत्व में ऐतिहासिक कामों के कारण आज लगातार हम सरकार में हैं और भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर हैं।

सहयोगी-सामाजिक-समन्वय बनाएं :

द्वितीय सत्र की में व्यवहारिक सत्र विषय पर वक्ता के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती नंदिता पाठक ने कहा कि राष्ट्रीय हित के लिए हमे परिवारिक जीवन, सामाजिक जीवन को छोड़कर हम राष्ट्रीय जीवन में आगे बढ़ जाते हैं, आपको जीवन में सदैव व्यावहारिक रहना चाहिए, सदैव सहयोगी सामाजिक समन्वय बनाकर रहना चाहिए।

जानकारी पहुंचाने मीडिया सशक्त माध्यम :

तृतीय सत्र में मीडिया प्रबंधन व्यवस्था विषय पर प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीकान्त साहू ने सम्बोधित करते हुए कहा अपनी विचारधारा, संगठन के कार्यों, सरकार की योजनाओं की जानककारी जनता तक व्यापक रूप से जन समुदाय तक पहुंचाने के लिए मीडिया सशक्त माध्यम है। समाचार समुचित जानकारी से परिपूर्ण होना चाहिए ताकि वास्तविकता प्रकट की जा सकें, अच्छे एवं समय पर दिए गए समाचार अखबार में उचित स्थान प्राप्त करते हैं। संगठन की सही जानकारी प्रसारित करना कार्यकर्ता का दायित्व है, पत्रकारों से आपके संबंध मधुर होना चाहिए, यह भी संगठन का दायित्व है, समाचार का नियमित अध्ययन करने से हमे विश्व के तत्कालिक विषय की जानकारी सदैव रहती है।

सोशल मीडिया पर सावधानी बरतें :

इसी सत्र में सोशल मीडिया विषय पर सोशल मीडिया संभागीय प्रभारी अमन शर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया आज के समय प्रचार प्रसार का सबसे सशक्त माध्यम हैं सोशल मीडिया से समय का सदुपयोग करते हुए हम अपने विचार अधिकतम लोगों तक पहुंचा सकते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के उपयोग और सावधानी पर प्रकाश डाला।

बूथ का कार्यकर्ता हमारा नेता :

चतुर्थ सत्र में जिला प्रभारी आलोक संजर ने हमारी सैद्धांतिक अधिष्ठान एकात्म मानववाद दर्शन सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं पंचनिष्ठाएं विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि हमारे दल में सिखाया जाता है कि राष्ट्र प्रथम, दल द्वितीय एवं स्वयं का हित अंतिम होता है देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरे दल का एक एक बूथ का कार्यकर्ता हमारा नेता है जो बूथ में डटकर पार्टी का काम करता है भाजपा कार्यकताओं की पार्टी है जबकि अन्य दलों में पार्टी एक परिवार चलाते हैं यही कारण हमारी विचारधारा को अलग करता है, दीनदयाल जी ने एकात्म मानववाद दर्शन दिया जिन्होंने बताया कि सुख क्या यह सभी अनुभूत कर सकते है मन का सुख क्षणिक है, बुद्धि का सुख गलत काम कराता है परंतु वास्तविक सुख आत्मा का सुख हैं आत्मा का सुख भाजपा ने दिया है कर्त्तव्य अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति का उत्थान, ममत्व पार्टी के पार्टी है, लक्ष्य मातृभूमि का वैभव अमर रखने का है।

संगठन में कार्यकर्ता बनाये जाते है :

पांचवे सत्र में कार्यकर्ता विकास विषय पर सम्बोधित करते हुए विधायक अभिलाष पांडे ने कहा कार्यकर्ता बनते नहीं बनाये जाते है, हम तो विचारधारा और कार्यकर्त्ता आधारित राजनैतिक दल के कार्यकर्ता है, कार्यकर्ता ही हमारे संगठन का मूल आधार है इसी कार्यकर्त्ता के बल पर संगठन खड़ा है। कार्यकर्त्ता के विकासके लिए ही इस तरह के सत्र आयोजित किये जाते है.

पार्टी ने विचारधारा से समझौता नहीं किया :

षष्टम सत्र में मोदी सरकार की योजनाओं के विषय पर वक्ता विधायक अशोक रोहाणी ने सम्बोधित करते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी ने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया हमने सत्ता को साधन नहीं बल्कि साधन माना है और इसी का परिणाम है कि जब देश में हमारी सरकार बनी तब देश में सुशासन, जनकल्याण, विकास और गरीब कल्याण के लिए योजनाएं बनाई गई, अटल जी के नेतृत्व में जब देश में भाजपानीत एनडीए की सरकार बनी तब देश में सुशासन आया, नदी जोड़ी अभियान, पोखरण में परमाणु परिक्षण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को लागू करना जैसे अभूतपूर्व कार्य हुए और 2014 में जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की हमारी सरकार बनी उसके बाद देश में क्रन्तिकारी परिवर्तन आये और गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला के हित में अनेको योजनाएं लागू हुई और आज देश का हर वर्ग उनके योजनाओं का लाभ लें रहा है, योजनाएं बहुत है उनमें प्रमुख रूप से आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री अन्न योजना, उज्जवला योजना, शौचालय निर्माण, किसान कल्याण, स्टार्टअप इंडिया जैसी सेकड़ो योजनाएं है जो आम जनो का जीवन स्तर उठाने का कार्य कर रही है।

कार्यकर्त्ता विचारधारा का विस्तार करें :

सप्तम सत्र में कार्य विस्तार विषय पर सम्बोधित करते हुए बालाघाट के पूर्व रमेश भटेरे ने कहा स्व अटल जी ने कहा था पार्टी में हमारी भूमिका अलग अलग हो सकती है पर हमारे मूल में कार्यकर्ता का भाव है और कार्यकर्त्ता वह जो अपनी विचारधारा को लेकर संगठन कार्य करते हुए अपने कार्य का विस्तार करें।

विभिन्न सत्रों में की अध्यक्षता :

सत्रों की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकी, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती अश्वनी पराँजपे, पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल, पूर्व महापौर प्रभात साहू, डॉ वाणी हलुवालिया, वरिष्ठ नेत्री श्रीमती सुषमा जैन ने की।

वर्ग स्थल पर रात्रि विश्राम :

सत्रों की समाप्ति के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गए। प्रशिक्षण वर्ग में जबलपुर महानगर के अपेक्षित कार्यकर्त्ताओ नव वर्ग स्थल में ही रात्रि विश्राम किया।

आज होंगे चार सत्र :

प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन चार सत्र आयोजित किये जायेंगे। द्वितीय दिवस में प्रातः 9:30 बजे से सत्र प्रारम्भ होंगे. विषय वक्ता के रूप में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, तीर्थ स्थल मेला प्राधिकरण अध्यक्ष विनोद गोंटिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष कटनी पीताम्बर टोपनानी, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मौसम बिसेन सम्बोधित करेंगे।

नौनिहालों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे स्कूल संचालक

शहर में बिना मान्यता के संचालित हो रहे प्ले स्कूल : NSUI

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, तत्काल कार्रवाई की मांग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिस उम्र में बच्चों को अच्छे रास्ते के लिए सही सीढ़ी दिखाई जाती है, उस उम्र में स्कूल संचालक मासूमों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। शहर में बिना मान्यता के संचालित हो रहे प्ले स्कूलों के खिलाफ एनएसयूआई ने सोमवार को मोर्चा खोल दिया। संगठन के पदाधिकारियों ने छात्रनेता शफी खान के नेतृत्व में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपकर 450 से अधिक अवैध प्ले स्कूलों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

450 स्कूल के पास नहीं है वैध अनुमति : एनएसयूआई छात्र नेता शफी खान ने कहा कि सूचना का अधिकार से खुलासा हुआ है कि जबलपुर में 600 से अधिक प्ले स्कूल चल रहे हैं, लेकिन शासन से मान्यता सिर्फ 146 स्कूलों को ही मिली है। शेष 450 स्कूल बिना किसी वैध अनुमति, फायर सेफ्टी और सुरक्षा मानकों के धड़ल्ले से संचालित हो रहे हैं। 1.5 से 5 साल तक के मासूम बच्चे इन स्कूलों में पढ़ते हैं, जहां राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि जिन 146 स्कूलों को मान्यता मिली है, उनमें भी कई एक ही संस्था के नाम से पोर्टल पर 6-6 बार पंजीकृत हैं। मान्यता शुल्क मात्र 2100 रुपए होने के बावजूद संचालक पंजीयन से बच रहे हैं, क्योंकि विभागीय कार्रवाई न होने से उनके हौसले बुलंद हैं।

अवैध फीस वसूली का भी आरोप : ज्ञापन में कहा गया कि अधिकांश निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों से एडमिशन फीस, एनुअल चार्ज और एक्टिविटी फीस के नाम पर मनमानी वसूली की जा रही हैं। शासन स्तर पर इनका कोई शुल्क निर्धारित नहीं है, फिर भी हजारों रुपए वसूले जा रहे हैं। पूर्व में शासन द्वारा शिक्षा माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई थी किंतु वर्तमान में कारवाई न होने से शिक्षा माफियाओं के हौसले बुलंद हैं।

स्कूलों का हो भौतिक सत्यापन : एनएसयूआई ने मांग की है कि जिले के सभी प्ले स्कूलों का तत्काल भौतिक सत्यापन कराकर बिना मान्यता संचालित 450 स्कूलों को तुरंत बंद कर संचालकों पर जुमार्ना लगाया जाए।

अभिभावकों को राशि वापस दिलाई जाए : अवैध फीस वसूलने वाले स्कूलों से अभिभावकों को राशि वापस दिलाई जाए, मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची और शुल्क संरचना सार्वजनिक की जाए, फायर सेफ्टी, सीसीटीवी और प्रशिक्षित स्टाफ की जांच कर अमानक स्कूलों की मान्यता रद्द की जाए।

यह रहे उपस्थित : ज्ञापन सौंपते समय प्रदेश सचिव प्रतीक गौतम, अदनान अंसारी, अंकित शुक्ला, एजाज अंसारी, सैफ मंसूरी, अंकित कोरी, गौरव जायसवाल, युग ठाकुर, अनिकेत तिवारी, दक्ष रैकवार, वकार खान, रोहन राजपूत सहित सैकड़ो छात्र मौजूद थे।

कम क्षमता के स्थान पर स्थापित किया अधिक क्षमता का कैपेसिटर बैंक

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के टेस्टिंग टीम के इंजीनियरों ने तकनीकी दक्षता और संसाधनों के बेहतर उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते 220 केवी सबस्टेशन चापड़ा मे पुराने 5 एमवीएआर कैपेसिटर बैंक के सिविल फाउंडेशन पर ही नया 12 एमवीएआर क्षमता का कैपेसिटर बैंक सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊजीर्कृत करने का एक उल्लेखनीय कार्य किया है। एमपी ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता अनिल सक्सेना ने बताया कि इस चौथे कैपेसिटर बैंक की स्थापना के बाद चापड़ा (उज्जैन) सबस्टेशन मे कैपेसिटर बैंक की क्षमता बढ़कर 48 एमवीएआर हो गई है, जिससे क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी एवं उपभोक्ताओं का बेहतर गुणवत्ता की बिजली प्राप्त हो सकेगी।

28 मई को शहर में ईदुज्जुहा

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मुफ्ती-ए-आजम मप्र मौलाना मोहम्मद मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी के अनुसार 18 मई मुताबिक 30 ज़िलकाद को जबलपुर में माहे ज़िलहिज्जह का चांद आम तौर पे नजर आ गया है। लिहाजा आज माहे ज़िलहिज्जह की पहली तारीख रहेगी। आगामी 28 मई को ईदुज्जुहा (बकरीद) मनाई जाएगी।

अखिल भारतीय संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन आयोजित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

साहित्य अकादमी एवं गुलशन-ए-अदब के संयुक्त तत्वावधान में गोंडवाना और महाकौशल में उर्दू भाषा और साहित्य की स्थिति विषय पर अखिल भारतीय संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए साहित्यकारों, शायरों और बुद्धिजीवियों ने भाग लेकर उर्दू भाषा, साहित्य और उसकी साझा तहजीब पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार चंद्रभान खयाल ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि उर्दू भाषा आम हिन्दुस्तानियों की भाषा है। यह केवल एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी गंगा-जमुनी तहजीब और सांस्कृतिक विरासत की पहचान है। कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादमी के सह-संचालक अनुपम तिवारी ने स्वागत भाषण दिया, जबकि उद्घाटन प्यारे साहब ने किया। प्रथम सत्र में जमील अहमद जमील, शफीक अंसारी, स्तुति अग्रवाल, डॉ. जलीलुर्रहमान, डॉ. महताब आलम एवं डॉ. अंजुम बाराबंकवी ने अपने आलेख प्रस्तुत किए। सत्र का संचालन शकील बाबू ने किया। अतिथियों के स्वागत में शेख निजामी, शोएब अख्तर, साबिर खान, नैयरुल इस्लाम, श्रीमती यास्मीन बानो एवं सायरा बानो की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम के दौरान जनाब महबूब आलम को साहित्य सेवा के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने पर उपस्थित साहित्यकारों एवं श्रोताओं ने उनका अभिनंदन किया। दूसरे सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन वरिष्ठ समाज सेवी मतीन अंसारी ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सरदार हकीम बाबा एवं डॉ. मुईन अंसारी उपस्थित रहे। कवि सम्मेलन में सोहन सलिल, परवेज परवाज, डॉ. महताब आलम, डॉ. जलीलुर्रहमान, डॉ.अंजुम बाराबंकवी, बाबू अनवर निजामी, शेख निजामी, ताबिश नैयर दमोही, चंद्रभान खयाल एवं स्तुति अग्रवाल ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन राशिद राही ने किया, जबकि अंत में आभार प्रदर्शन शेख निजामी द्वारा किया गया।

भक्तों के दुःख हरने अवतरित होते हैं श्रीहरि : नरसिंह देवाचार्य

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

श्रीहरि नारायण ने भक्तों के कल्याणार्थ असंख्य बार अवतार लिया त्रेतायुग में भगवान श्री राम ने मयार्दा में रहकर असुरों का नाश किया और अनुशासन और मयार्दा से परिवार में सेवा कार्य करने की सीख दी। द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने लीला पुरुषोत्तम स्वरूप में कंस के कारागार में जन्म लेकर गोपालक नंद के घर वृंदावन में बाल लीलाओं में संपूर्ण जगत को बाल स्वरूप में लीला की क्योंकि वृंदावन में गोप गोपियां गौमाता श्रीकृष्ण से निश्चल भाव से प्रेम करते हैं और भक्त की भक्ति से प्रभावित होकर भगवान नारायण संपूर्ण जगत में भक्त की पुकार सुनकर प्रगट हो जाते हैं। कर्म की प्रधानता रखकर ही भक्ति करना चाहिए। उक्त उद्गार श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉ स्वामी नरसिंह देवाचार्य महाराज ने श्री आदर्श केशरवानी वैश्य समाज संगठन व्दारा 14 मई से 21 तक आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पंचम दिवस नंदोत्सव श्रीकृष्ण बाल लीलाओं की कथा में श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ सप्ताह में दुर्गा मंदिर कैलाशपुरी हाथीताल जबलपुर में कहे।

6 माह के श्रेयांश को मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना का लाभ मिला

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिला प्रबंधक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम से प्राप्त जानकारी अनुसार जिला जबलपुर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत हृदय रोग से ग्रसित, कुण्डम, जबलपुर निवासी, 6 माह के बालक श्रेयांश सिंह को मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के माध्यम से सफल सर्जरी कर नया जीवन प्रदान किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निदेर्शानुसार डॉ. अमजद खान जिला नोडल अधिकारी आरबीएसके कार्यक्रम एवं सुभाष शुक्ला जिला प्रबंधक, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम जबलपुर द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुये बालक का रजिस्ट्रेशन कराकर परिजन की सहमति उपरांत बालक को नारायणा हृदयालय मुम्बई रैफर किया गया। उक्त चिकित्सालय में 11 मई को बालक की सफल सर्जरी निःशुल्क की जाकर नया जीवन प्रदान किया गया। सोमवार को हितग्राही को डिस्चार्ज भी कर दिया गया है।

99.2 प्रतिशत के साथ शहरी क्षेत्र के जनगणना कार्य में ऐतिहासिक रूप से हुई प्रगति

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहरी क्षेत्र के जनगणना कार्य में जबलपुर ने एक ऐतिहासिक कार्य किया है। नगर निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे जनगणना कार्य में 99.2 प्रतिशत की अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की है। इस महाअभियान में जुटे कुल 1,974 प्रगणकों में से अब मात्र 16 प्रगणकों का ही हाउस लिस्टिंग का कार्य शेष रह गया है, जिसे जल्द ही शत-प्रतिशत पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, निर्धारित सभी 1,958 एच.एल.बी. हाउस लिस्टिंग ब्लॉक का कार्य सफलताप्रद ढंग से पूर्ण कर लिया गया है। ऐतिहासिक सफलता को रेखांकित करने के लिए आज स्मार्ट सिटी कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त एवं मुख्य जनगणना अधिकारी रामप्रकाश अहिरवार द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 चार्ज अधिकारियों क्रमशः भगवान सिंह दागी चार्ज 8 भानतलैया, संतोष पाण्डेय चार्ज 11 राजागोकुलदास धर्मशाला, मयंक चैरसिया चार्ज 12 घण्टाघर, सुदीप सिंह पटैल चार्ज 14 क्षेत्रीय बस स्टेण्ड एवं महेन्द्र सिंह उइके चार्ज 16 आनंद नगर को वाटर बोतल, डायरी, पेन और विशेष प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। निगमायुक्त ने बताया कि यह सफलता पूरी टीम के कड़े परिश्रम का परिणाम है। 99.2 प्रतिशत का आंकड़ा छूना यह साबित करता है कि जबलपुर हर बड़े और राष्ट्रीय महत्व के कार्य को समय सीमा में और पूरी शुद्धता के साथ करने में अग्रणी है।

परीक्षा समाप्ति के तीसरे दिन बीसीए अंतिम वर्ष का परिणाम घोषित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय द्वारा बीसीए अंतिम वर्ष 2026 का परीक्षा परिणाम सोमवार को घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि उक्त परीक्षा के अंतिम प्रश्न पत्र की परीक्षा 16 मई, 2026 को प्रातः पाली में समाप्त हुई थी। बीसीए अंतिम वर्ष 2026 परीक्षा में कुल 117 परीक्षार्थी में से 112 उत्तीर्ण हुए एवं परीक्षा परिणाम लगभग 96 प्रतिशत रहा। इस प्रकार इस सत्र में परीक्षा समाप्ति के तीसरे दिन प्रथम परीक्षा परिणाम जारी किया गया। कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसके दुबे एवं सहायक कुलसचिव ज्योति खराड़ी सहित परीक्षा एवं मूल्यांकन कार्य में संलग्न पूरी टीम को बधाई दी।

भारतीय राजनीति की सात जुगलबंदियां: देश की भौगोलिक, आर्थिक, सामाजिक स्थितियों पर दिखा इनका गहरा असर

बंगलूरू के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में मैं छह अगस्त, 2019 को अपने कुछ सहकर्मियों के साथ कॉफी पी रहा था। हम एक दिन पहले कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने पर चर्चा कर रहे थे। इस बीच एक युवा कंप्यूटर वैज्ञानिक ने टिप्पणी की— 'अब हमारे सामने मोदी 2.0 नहीं, बल्कि शाह 1.0 है।' यह टिप्पणी इसलिए आई, क्योंकि गृह मंत्री अमित शाह ने ही भारत के एकमात्र मुस्लिम-बहुल राज्य का विशेष दर्जा समाप्त करने की योजना बनाई और उसे लागू किया। शायद इसे पूरी तरह 'शाह 1.0' कहना अतिशयोक्ति हो, लेकिन अब इसमें संदेह नहीं है कि अमित शाह सरकार में प्रधानमंत्री के बाद सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं और वही ऐसे मंत्री हैं, जिनके पास वास्तविक अधिकार और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता है।

मोदी-शाह की यह राजनीतिक जुगलबंदी भारतीय राजनीति में पहली नहीं है। आजाद भारत के शुरुआती वर्षों में जवाहरलाल नेहरू और वल्लभभाई पटेल की साझेदारी इसका एक बड़ा उदाहरण थी। आज की राजनीति उन्हें प्रतिद्वंद्वी और विरोधी के रूप में प्रस्तुत करती है, जबकि वास्तव में वे मित्र, सहयोगी और सहकर्मी थे।

विभाजन की त्रासदी, अभाव, संघर्ष और सामाजिक विभाजन के बीच यदि एक संयुक्त और लोकतांत्रिक भारत का निर्माण संभव हो पाया, तो उसका बड़ा कारण नेहरू और पटेल की जुगलबंदी है। पटेल ने भारत को भौगोलिक रूप से एकजुट करने में प्रमुख भूमिका निभाई-उन्होंने रियासतों का विलय कराया, प्रशासनिक व्यवस्था को आधुनिक बनाया, हिंदू दक्षिणपंथ और कम्युनिस्ट वामपंथ के उग्र तत्वों को नियंत्रित किया, साथ ही संविधान निर्माण की प्रक्रिया का समर्थन करने का माहौल बनाया, जिसका नेतृत्व डॉ. भीमराव आंबेडकर कर रहे थे। दूसरी ओर, नेहरू ने भारत को भावनात्मक रूप से एकजुट करने का कार्य किया। उन्होंने धार्मिक और भाषायी अल्पसंख्यकों तथा महिलाओं के समान अधिकारों की वकालत की और भारी अभिजात्य विरोध के बावजूद सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार का दृढ़ समर्थन किया।

निश्चित रूप से नेहरू और पटेल के बीच मतभेद भी थे, लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए उन मतभेदों को पीछे छोड़ दिया। यह भी सच है कि उन्हें आंबेडकर जैसे प्रतिभाशाली मंत्रियों और सक्षम नौकरशाहों का सहयोग मिला। फिर भी इतिहासकारों ने प्रमाण सहित दिखाया है कि बिखरे हुए भारत को एक राष्ट्र के रूप में गढ़ने में उनकी साझेदारी की निर्णायक भूमिका थी।

दिसंबर, 1950 में पटेल की मृत्यु और अगले साल आंबेडकर के इस्तीफे के बाद नेहरू मंत्रिमंडल में सबसे प्रभावशाली नेता बन गए, जो शायद पूरी तरह लाभदायक नहीं था। भारतीय राजनीति में अगली बड़ी 'जोड़ी' 1960 के दशक के आखिर में उभरी, जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पूर्व राजनयिक पीएन हक्सर को अपना प्रधान सचिव नियुक्त किया।

हक्सर जल्द ही इंदिरा गांधी के मंत्रियों से अधिक प्रभावशाली बन गए। 1970 से 1975 के बीच वे उनके सबसे विश्वसनीय सहयोगी और प्रमुख सलाहकार रहे। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम जैसी इंदिरा गांधी की सबसे बड़ी राजनीतिक सफलता की योजना बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। साथ ही कृषि और अंतरिक्ष जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक विकास को बढ़ावा देने में भी उनका योगदान रहा।लेकिन इसका एक नकारात्मक पक्ष भी था। इंदिरा गांधी की केंद्रीकरण और सरकारी नियंत्रण पर आधारित आर्थिक नीतियों को तैयार करने में भी हक्सर की महत्वपूर्ण भूमिका थी, जिसने आगे चलकर देश को नुकसान पहुंचाया।

1975 में पीएन हक्सर को किनारे कर दिया गया और उनकी जगह प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी ने ले ली। इंदिरा गांधी और संजय गांधी की यह साझेदारी देश को निरंकुशता की ओर ले जाने के लिए जिम्मेदार थी। नागरिक स्वतंत्रताओं का दमन, प्रेस पर सेंसरशिप, न्यायपालिका को नियंत्रण में करना, नौकरशाही और पुलिस को मां-बेटे के अधीन बना देना तथा सभी राजनीतिक विरोधियों को जेल में डालना-ये सब उसी दौर की विशेषताएं थीं और इंदिरा गांधी-हक्सर की साझेदारी के विपरीत, इस गठजोड़ में कोई सकारात्मक पक्ष नहीं था।

इसके बाद सरकार में जो अगली महत्वपूर्ण साझेदारी उभरी, वह थी पीवी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह की। 1991 से 1996 के बीच प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में दोनों ने मिलकर देश को लाइसेंस-परमिट-कोटा राज से मुक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों ने तीन दशकों तक स्थिर आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया, जिससे गरीबी में कमी आई, एक बड़े मध्यम वर्ग का उदय हुआ और दुनिया में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी।

इसके बाद अटल बिहारी वाजपेई और आड़वाणी की साझेदारी सामने आई। 1980 और 1990 के दशकों में दोनों ने मिलकर भाजपा को कांग्रेस के प्रमुख राष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वी के रूप में खड़ा किया। 1998 से 2004 के बीच जब भाजपा सत्ता में रही, तब

पेट्रोल किराने का सामान नहीं, जितना खरीद लो

पेट्रोलियम पदार्थों की बचत और मितव्ययता का प्रश्न केवल मौजूदा पश्चिम एशियाई संकट से पैदा हुई अस्थायी चुनौती नहीं है, बल्कि यह आने वाले समय की सबसे बड़ी वैश्विक आर्थिक और पर्यावरणीय चिंताओं में से एक है। हाइड्रोकार्बन आधारित ईंधन धरती पर सीमित मात्रा में उपलब्ध प्राकृतिक संसाधन हैं और एक दिन इनके भंडार समाप्त होना तय है।

यही कारण है कि दुनिया भर की सरकारें समय-समय पर ऊर्जा संरक्षण और ईंधन की बचत की अपील करती रही हैं। भारत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालिया वैश्विक संकट के बीच ईंधन बचाने की अपील करते हुए कई सरकारी कदमों की घोषणा की है।

इसके साथ ही चार वर्षों में पहली बार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की गई है। किंतु केवल सरकारी घोषणाएं इस संकट का स्थायी समाधान नहीं बन सकतीं, जब तक समाज स्वयं यह नहीं समझेगा कि पेट्रोल और डीजल कोई ऐसा किराने का सामान नहीं है जिसे धनबल के आधार पर जितना चाहे उतना खरीदकर फूंक दिया जाए।

पेट्रोल और पेट्रोलियम पदार्थ

पेट्रोलियम पदार्थों को सामान्यत: लोग केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित समझते हैं, जबकि कच्चे तेल को रिफाइनरी में प्रसंस्करण के बाद अनेक महत्वपूर्ण उत्पादों में बदला जाता है। इनमें पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, केरोसिन, विमान ईंधन, इंजन ऑयल, बिटुमेन, पैराफिन वैक्स, प्लास्टिक, उर्वरक, सिंथेटिक रबर और अनेक पेट्रोकेमिकल उत्पाद शामिल हैं।

आधुनिक अर्थव्यवस्था का लगभग पूरा ढांचा इन्हीं उत्पादों पर आधारित है। परिवहन व्यवस्था, उद्योग, सड़क निर्माण, दवा उद्योग, कृषि उत्पादन और घरेलू जीवन तक इनके बिना ठप पड़ सकते हैं।

यही कारण है कि फरवरी 2026 से पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के कारण जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं तो उसका सीधा प्रभाव भारत जैसे बड़े आयातक देशों पर पड़ा। इसी दबाव में 15 मई 2026 को देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में औसतन तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करनी पड़ी।

असल समस्या मानसिकता की

असल समस्या केवल कीमत बढ़ने की नहीं है, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें ईंधन को असीमित उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। समाज का एक प्रभावशाली और संपन्न वर्ग तेल की सबसे अधिक फिजूलखर्ची करता है, जबकि उसका आर्थिक बोझ पूरे समाज को महंगाई के रूप में भुगतना पड़ता है।

यह समझना आवश्यक है कि पेट्रोलियम संसाधन सीमित हैं और इनके आयात पर देश को भारी विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है।

इसके लिए हर वर्ष अरबों डॉलर की विदेशी मुद्रा बाहर जाती है। यह धन किसी व्यक्ति विशेष की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि देश की सामूहिक आर्थिक पूंजी है, जिसे निर्यातकों, श्रमिकों और विदेशों में काम कर रहे भारतीयों की मेहनत से अर्जित किया जाता है।

इसके बावजूद समाज में यह धारणा तेजी से मजबूत हुई है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी जेब से कीमत चुका रहा है तो उसे जितना चाहे उतना पेट्रोल या डीजल खर्च करने का अधिकार है।

यही सोच सबसे अधिक खतरनाक है। एक वर्ग अपनी आर्थिक हैसियत दिखाने के लिए बड़ी-बड़ी लक्जरी गाड़ियों का प्रदर्शन करता है, जिनमें कई वाहन एक लीटर ईंधन में चार या पांच किलोमीटर ही चलते हैं।

छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी भारी वाहन सड़कों पर दौड़ाए जाते हैं। कई परिवारों में एक ही घर के सदस्य अलग-अलग वाहनों से कुछ सौ मीटर की दूरी तय करते हैं। यह केवल निजी फिजूलखर्ची नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों की बर्बादी है।

सरकारी तंत्र में ईंधन की बर्बादी

सरकारी तंत्र में भी यह प्रवृत्ति कम नहीं है। सरकारी पद और सुविधाओं की आड़ में ईंधन की बर्बादी लंबे समय से एक गंभीर समस्या बनी हुई है।

सरकारी वाहनों का निजी उपयोग, अधिकारियों और नेताओं के परिजनों द्वारा वाहनों का दुरुपयोग तथा अनावश्यक काफिलों की संस्कृति देश की ऊर्जा नीति पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि आम नागरिक से ईंधन बचाने की अपेक्षा की जाती है तो सबसे पहले सत्ता और प्रशासनिक तंत्र को उदाहरण प्रस्तुत करना होगा।

सरकारी राजस्व पर भारी दबाव

वैश्विक संकट के समय सरकारों को जनता को राहत देने के लिए पेट्रोलियम उत्पादों पर करों में कटौती करनी पड़ती है। केंद्र और राज्य सरकारें उत्पाद शुल्क और वैट कम करके कीमतों को नियंत्रित रखने की कोशिश करती हैं। इससे सरकारी राजस्व पर भारी दबाव पड़ता है। इसके अलावा तेल विपणन कंपनियों को भी लंबे समय तक घाटा उठाना पड़ता है।

इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सार्वजनिक कंपनियां जब महंगा कच्चा तेल खरीदकर घरेलू बाजार में नियंत्रित कीमतों पर बेचती हैं तो उन्हें भारी अंडर-रिकवरी झेलनी पड़ती है। अंतत: इन कंपनियों को बचाने के लिए सरकार को बजट से हजारों करोड़ रुपये देने पड़ते हैं।

यह पैसा किसी एक वर्ग से नहीं आता, बल्कि देश के हर करदाता के योगदान से जुटाया जाता है। विडंबना यह है कि जिन लोगों के पास निजी वाहन तक नहीं हैं, वे भी अप्रत्यक्ष रूप से अमीर वर्ग की ईंधन फिजूलखर्ची का बोझ उठाते हैं।

ईंधन की बर्बादी पर्यावरणीय अन्याय भी

ईंधन की बर्बादी केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि पर्यावरणीय अन्याय भी है। बड़ी गाड़ियों से निकलने वाला धुआं और कार्बन उत्सर्जन समाज के कमजोर वर्गों के स्वास्थ्य पर सबसे अधिक प्रभाव डालता है।

वातानुकूलित वाहनों में बैठा संपन्न वर्ग प्रदूषण से अपेक्षाकृत सुरक्षित रहता है, जबकि सड़क किनारे काम करने वाले मजदूर, रेहड़ी-पटरी वाले, पैदल यात्री और गरीब परिवार जहरीली हवा में सांस लेने को मजबूर होते हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है।

उत्तराखंड और हिमाचल जैसे संवेदनशील हिमालयी राज्यों में पर्यटन और यात्राओं के दौरान अनावश्यक वाहनों की भीड़ पर्यावरण पर अतिरिक्त दबाव डाल रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ता कार्बन उत्सर्जन ग्लेशियरों के पिघलने और जलवायु परिवर्तन की गति को भी तेज कर रहा है।

व्यक्तिगत अधिकार मानने की प्रवृत्ति पर रोक

मौजूदा वैश्विक संकट स्पष्ट संकेत दे रहा है कि ऊर्जा सुरक्षा आने वाले समय की सबसे बड़ी राष्ट्रीय चुनौती बनने जा रही है। यदि आज भी समाज ने ईंधन के विवेकपूर्ण उपयोग की आदत नहीं डाली तो भविष्य में संकट और गंभीर हो सकता है।

इसलिए आवश्यकता केवल कीमत बढ़ाने या सरकारी अपीलों की नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना विकसित करने की है। कार पूलिंग, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, अनावश्यक यात्राओं में कमी और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ना अब विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी बन चुका है।जब तक देश का प्रत्येक नागरिक पेट्रोल और डीजल को एक अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर के रूप में नहीं देखेगा, तब तक इस संकट से स्थायी मुक्ति संभव नहीं है।

व्यंग्य

चिंता करने का नाटक (सुधाकर आशावादी-विनायक फीचर्स)

उड़ान भरने के उपरांत पुन: नीड़ की ओर लौटना ही परिंदे की नियति है। आसमान में उसका स्थाई आवास नहीं होता। थके पंखों से ऊँची उड़ान भी संभव नहीं होती। साहेब को सबकी चिंता है, परिंदों की भी और उनके लिए दाना पानी की व्यवस्था करने वालों की भी। साहेब ने कहा कि अपनी उड़ान सीमित करो, देश की भी, विदेश की भी। अपनी महत्वाकांक्षाओं को भी सीमित करो। अपनी फिजूलखर्ची पर भी अंकुश लगाओ। अपने घर में बचत को प्रोत्साहित करो। देशी विदेशी मुद्रा के भंडारों को भरो, घटने न दो, बचत बुरे वक्त में साथ निभाती है।

पहले बच्चों को धन संग्रह की शिक्षा दी जाती थी। घरों में हर बच्चे की अलग अलग मिट्टी की गुल्लकें हुआ करती थी। बच्चों को जेब खर्च के लिए पाँच, दस, पंद्रह, बीस, चवन्नी, अठन्नी मिला करती थी। बच्चों को पैसों से मोह होता था। गुल्लक के पैसों पर उनका पूर्ण अधिकार होता था। अब वैसा नही है। अब बच्चे पैसे से तो मोह रखते हैं, मगर गुल्लक से नही। साहेब को सबकी चिंता है। वह मन की बात बहुत करते हैं। उन्हें सलाह देने की भी आदत है। उन्होंने कहा कि सोने के प्रति आकर्षण कम करो, सोना न खरीदो, विदेशों में जाकर डेस्टीनेशन मैरिज मत करो, इससे देश का पैसा विदेश में जाता है। चौपहिया वाहनों का प्रयोग कम करो। हो सके तो यातायात के सार्वजनिक साधनों का प्रयोग करो। साहेब की सलाह का असर कुछ पर पड़ा कुछ पर नहीं। जरुरी नहीं, कि परिवार का हर सदस्य आज्ञाकारी हो और परिवार की भलाई सोचने वाला हो। हो सकता है कि कोई मुखिया से यानी कि साहेब से नफरत करता हो, उसे साहेब की हर बात बुरी लगती हो। यह भी हो सकता है कि कोई साहेब की सलाह के प्रति नतमस्तक हो जाए और अपने बीते दिनों की ओर लौटने का दिखावा करे। महंगी गाड़ियों में एस्कोर्ट के साथ घूमने वाला मंत्री सड़क पर साइकिल से घूमने की वीडियो बनवाए, कभी ई रिक्शा में सवारी करे, कभी परिवहन निगम की बसों में अपने लिए आरक्षित उस सीट की ओर लौटे जो बरसों से अपने अधिकृत सीट धारी की प्रतीक्षा कर रही हो। बहरहाल साहेब की सलाह को कुछ ने सर माथे बिठाया, किसी ने साहेब की सलाह का बुरा मान कर साहेब की कार्यशैली पर ही सवाल उठाने शुरू कर दिए। किसी ने कहा कि साहेब पर उपदेश कुशल बहुतेरे जैसे मुहावरे पर अमल कर रहे हैं। वह खुद लाव लश्कर के साथ सड़कों पर हाय हैलो करते हैं और औरों को पेट्रोल बचाने की सलाह देते हैं, खर्चे कम करने की सलाह देते हैं। जिसकी जैसी सोच वैसी ही वह सोच रखता है। अब इतना तो तय है कि सोच ही व्यक्ति को व्यापक आकाश की ऊँचाई प्रदान करती है और सोच ही उसे नकारात्मक विचारों की तली तक गिराती है। साहेब ने कोई सुझाव दिया और कुछ नाटक बाज सड़कों पर नाटक करने आ गए। साइकिल, ई रिक्शा, मेट्रो ट्रेन में वीडियो बनाने वालों की संख्या बढ़ गई। शुक्र है कि घोड़े ताँगे की सवारी दूरदराज के क्षेत्रों तक ही सीमित रह गई, वरना ड्रामे बाज शहर की सड़कों पर ताँगे की सवारी का लुत्फ़ उठाते हुए भी दिखाई दे जाते। **(विनायक फीचर्स)**

जानना जरूरी है: राजा सत्यव्रत कैसे बन गया 'त्रिशंकु'? महातपस्वी विश्वामित्र से जुड़ी है कथा

राजा मान्धाता के वंश में त्रय्यारुण का जन्म हुआ। आगे चलकर, त्रय्यारुण के यहां एक महाबली पुत्र ने जन्म लिया। उसका नाम सत्यव्रत रखा गया। दुर्भाग्य से, सत्यव्रत की बुद्धि खोटी थी। वह पराई स्त्रियों का हरण करके उनके विवाह आदि में प्राय: विघ्न डाल देता था। एक बार उसने बचपना, काम, मोह, हर्ष और चपलता के कारण किसी अन्य व्यक्ति की विवाहिता पत्नी तक को छीन लिया था। इसी प्रकार उसने काम के वश में होकर एक बार किसी पुरवासी की अविवाहित कन्या का हरण कर लिया। ऐसे घोर पाप-कर्मों के कारण राजा त्रय्यारुण ने क्रोध में एक दिन सत्यव्रत को राज्य से निकाल दिया और कहा, 'नीच! तू चला जा यहां से!'

पिता के ऐसे कठोर वचन सुनकर सत्यव्रत ने पिता से ही पूछा, 'अब मैं कहां जाऊं?' यह सुनकर उसके पिता राजा त्रय्यारुण ने कहा, 'कुलकलंक! जा, तू श्वपाकों (चांडालों की एक जाति) के साथ रह। मैं तुझ-जैसे पुत्र का पिता नहीं कहलाना चाहता।' पिता द्वारा निकाल दिए जाने के बाद सत्यव्रत राज्य छोड़कर चला गया।

उस समय पर महर्षि वशिष्ठ ने भी त्रय्यारुण को अपने पुत्र का परित्याग करने से नहीं रोका। पिता का घर छोड़कर सत्यव्रत, चांडालों की बस्ती में जाकर रहने लगा। कुछ समय बाद राजा त्रय्यारुण ने भी राज्य से विरक्त होकर वनवास ले लिया। राज्य में अधर्म को बढ़ते देखकर देवराज इंद्र ने राज्य में बारह वर्षों तक वर्षा नहीं की। संयोग से, उन्हीं दिनों महातपस्वी विश्वामित्र भी उसी प्रदेश में अपनी पत्नी को न्यास (धरोहर) रूप में रखकर स्वयं भयंकर तप कर रहे थे। विश्वामित्र की पत्नी अपने कुटुंब के पालन के लिए अपने मंझले पुत्र के गले में रस्सी बांधकर उसे सौ गायों के मूल्य पर बेचने के लिए हाट लेकर जा रही थी। उस समय राजकुमार सत्यव्रत भी वहीं था। उसे जब पता चला कि वह बालक, विश्वामित्र का पुत्र है, तो उसने बालक को छुड़वा लिया। फिर सत्यव्रत ने विश्वामित्र को संतुष्ट करने और उनकी कृपा पाने के लिए उस बालक का पालन-पोषण भी किया। गले में बंधन पड़े होने के कारण वह बालक 'गालव' नाम से प्रसिद्ध हुआ। विश्वामित्र के प्रति श्रद्धा-भक्ति और उनके असहाय कुटुंब के प्रति दया से प्रेरित होकर सत्यव्रत ने विनयपूर्वक विश्वामित्र की पत्नी और संतान का पालन-पोषण आदि किया।

वह कंद, बराही कंद, महिष कंद आदि जंगली कंद-मूल लाकर उनका गूदा आश्रम के पास वृक्षों में बांध देता था। इस बीच, त्रय्यारुण के वनवास में चले जाने का समाचर सुनकर सत्यव्रत ने बारह वर्षों तक गुप्त रूप से व्रत रखने का प्रण ले लिया।

उधर, त्रय्यारुण के जाने के बाद अयोध्या की देखभाल करने वाला भी कोई नहीं बचा था। अत: कुलपुरोहित वशिष्ठ ने अयोध्या, राज्य और रनिवास की रक्षा का दायित्व भी पूरा किया। हालांकि सत्यव्रत, वशिष्ठ से अप्रसन्न था, क्योंकि धर्म के ज्ञाता होते हुए भी वशिष्ठ ने त्रय्यारुण को अपने पुत्र का परित्याग करने से रोका नहीं था। परंतु इसका भी एक विशेष कारण था। विवाह के मंत्र सप्तपदी के पूर्ण

होने पर ही सिद्ध माने जाते हैं। इसलिए वह सत्यव्रत से प्रायश्चित्त कराना चाहते थे, परंतु सत्यव्रत उनके इस गूढ़ आशय को समझ नहीं सका।

राजा त्रय्यारुण के असंतोष के कारण ही इंद्र ने राज्य में बारह वर्षों तक वर्षा नहीं की थी।

विसंगतियों के आइने में समकालीन यथार्थ बनाम चूं चूं की खोज

(डॉ.विभा खरे-विभूति फीचर्स)

वरिष्ठ व्यंग्यकार विवेक रंजन श्रीवास्तव का व्यंग्य लेखन आज के दौर की विसंगतियों, राजनीतिक पाखंड और सामाजिक दोहरेपन पर एक करारी चोट है। उनकी लेखनी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे केवल समस्याओं को उजागर नहीं करते, बल्कि मानवीय प्रवृत्तियों का गहराई से विश्लेषण भी करते हैं।

लेखक ने 'आठवीं पीढ़ी की व्यवस्था' जैसे व्यंग्यों के माध्यम से राजनीति में व्याप्त वंशवाद और संचय की प्रवृत्ति पर तीखा प्रहार किया है। वे बताते हैं कि कैसे एक नेता अपनी सात पीढ़ियों का इंतजाम करने के बाद आठवीं पीढ़ी के लिए अपने बेटे को राजनीति में लॉन्च करने की जुगत में रहता है।

'जुगाड़ मतलब टैक्टफुलनेस' और 'सेवा का मेवा' जैसे लेखों में लेखक ने हमारे समाज की 'जुगाड़' संस्कृति और परोपकार के नाम पर चल रहे व्यापार को बड़ी चतुराई से उकेरा है। उदाहरण के लिए, 'सेवा का मेवा' में वे दिखाते हैं कि कैसे पुराने कॉलेज मित्र अब 'प्रभु' बनकर सेवा के नाम पर मेवा खा रहे हैं।

'डीप फेक है यह दुनिया' के जरिए लेखक ने आधुनिक तकनीक के खतरों और हमारी 'डिजिटल दुकानदारी' पर व्यंग्य किया है, जहाँ असल और नकल का भेद करना मुश्किल हो गया है।

विवेक जी सहज और पठनीय शैली के धनी हैं । उनकी भाषा सरल, बोलचाल की और व्यंग्य की धार से भरपूर होती है। वे 'जुगाड़' जैसे देसी शब्दों को 'टैक्टफुलनेस' जैसे मैनेजमेंट के भारी-भरकम शब्दों से जोड़कर पाठकों को एक साथ सटायर विट और ह्यूमर से हँसने और सोचने पर मजबूर कर देते हैं।

विवेक रंजन के व्यंग्य वैश्विक कैनवास पर सहजता से प्रकट होते हैं। उनका लेखन उन लोगों के लिए एक आईना है जो समाज की विकृतियों को देखना और समझना चाहते हैं। चूं चूं की खोज , 75 मजेदार समकालीन व्यंग्य लेखों का संग्रह है । यह आम आदमी का मनोरंजन तो करता ही है, पाठक को अपने आस-पास की

दुनिया के प्रति अधिक जागरूक और संवेदनशील भी बनाता है। किताब पैसा वसूल और संग्रहणीय है। **(विभूति फीचर्स)**

कलेक्टर सिंह ने विकास कार्यों और जनहितैषी योजनाओं की समीक्षा की

निर्माण कार्यों को बारिश से पहले पूरा करने के निर्देश

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

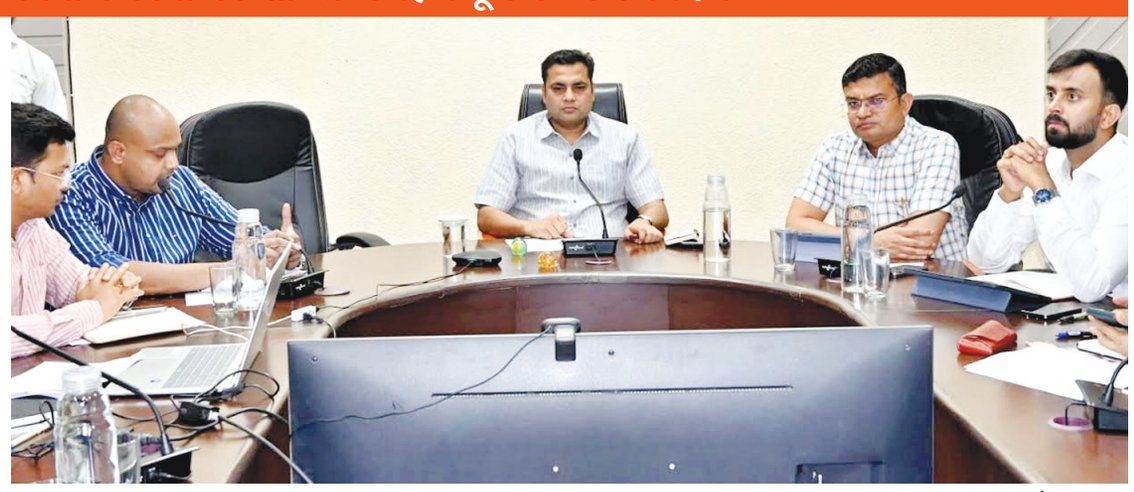

कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आज लंबित पत्रों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की एक विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने विकास और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन व्यवस्थाओं पर चर्चा करते हुए शासन की मंशानुरूप पारदर्शी और सुचारू कार्य करने को कहा। स्वच्छता सर्वेक्षण के संबंध में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आंगनबाड़ियों, विद्यालयों और छात्रावासों में बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, सूखा व गीला कचरा अलग-अलग करने के लिए डस्टबिन की व्यवस्था करने और नाडेफ का निर्माण कराने के निर्देश दिए। बैठक में प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना के तहत श्रमिकों का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करने, स्कूलों में नए सत्र के लिए विद्यार्थियों के प्रवेश और जनपदवार समग्र ई-केवायसी की प्रगति की भी गहन समीक्षा की गई।

निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आगामी बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए सभी प्रगतिरत निर्माण कार्य यथासंभव समय रहते पूर्ण कर लिए जाएं। इसके साथ ही, जल गंगा संवर्धन अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने के प्रयासों पर जोर दिया गया, ताकि जल संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। ग्रीष्मकाल को देखते हुए उन्होंने अधिकारियों को सतर्क रहने को कहा ताकि क्षेत्र में कहीं भी पेयजल का संकट न हो। बैठक में युवाओं और बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन खेल शिविरों को एक नवीन एवं बहुआयामी स्वरूप में आयोजित करने की कार्ययोजना पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर ने सभी विभागों के प्रमुखों से कहा कि वे अपनी-अपनी विभागीय प्रगति को गति देने के लिए ठोस रणनीति के साथ काम करना सुनिश्चित करें। राजस्व मामलों के संबंध में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी प्रकरणों का समय सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से पेंशन, संबल योजना के प्रकरण, लोक सेवा गारंटी के तहत समय सीमा से बाहर हो चुके मामलों, शिकायत शाखा से प्राप्त पत्रों, अन्य लंबित आवेदनों और सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनके त्वरित निपटारे की बात कही। इसके अतिरिक्त अनुग्रह सहायता, अंत्येष्टि सहायता, समग्र ई-केवायसी, प्रसूति सहायता और आशा कार्यकताओं व केसीसी धारक मत्स्य पालकों को मानधन योजना से जोड़ने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में शासकीय भूमि आवंटन, जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत होने वाले कार्य, गौ-शालाओं की प्रगति और सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के लिए वित्तीय मार्गदर्शिका के पालन पर भी चर्चा की गई। प्रशासनिक अनुशासन पर जोर देते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को सचेत किया कि वे प्रोटोकॉल ड्यूटी को पूरी गंभीरता से लें और इसमें किसी भी तरह का कैजुअल रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक गहलोत सहित जिले के सभी संबंधित विभागीय अधिकारी मुख्य रूप से मौजूद थे।

ईंधन और पर्यावरण बचाने के लिए नगर निगम की अनूठी पहल, अब अधिकारी करेंगे पूल व्हीकल का उपयोग

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर हुई शुरूआत, एक ही गाड़ी में सवार होकर निकले अधिकारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के ईंधन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के देशव्यापी आह्वान से प्रेरणा लेते हुए नगर निगम ने एक शानदार और अनुकरणीय पहल की शुरूआत की है। निगम प्रशासन ने अब सरकारी कार्यों और निरीक्षणों के लिए पूल वाहन व्यवस्था को लागू करने का निर्णय लिया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ईंधन की बचत करना, फिजूलखर्ची रोकना और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना है।

आर्थिक भार में आएगी कमी, पर्यावरण को मिलेगा बढ़ावा

निगम की इस दूरदर्शी पहल से न केवल सरकारी खजाने पर पेट्रोल-डीजल के खर्च का आर्थिक भार कम होगा, बल्कि सड़कों पर वाहनों की संख्या घटने से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। यह कदम शहर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

पहले ही दिन दिखा असर, एक ही वाहन से निकले अधिकारी

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के सख्त और सुधारात्मक निदेर्शानुसार इस पहल पर तत्काल अमल शुरू कर दिया गया है। आज इसके पहले चरण में एक अनूठा नजारा देखने को मिला, जब भवन अधिकारी के आवंटित वाहन में ही कालोनी सेल के प्रभारी सुनील दुबे और अन्य संबंधित अधिकारी एक साथ सवार हुए। सभी अधिकारियों ने अलग-अलग गाड़ियों के बजाय एक ही गाड़ी पूल व्हीकल का उपयोग करते हुए शहर के विभिन्न वार्डों और विकास कार्यों का संयुक्त निरीक्षण किया।

निगमायुक्त का संदेश

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान को धरातल पर उतारने के लिए नगर निगम प्रतिबद्ध है। पूल वाहन की इस व्यवस्था से प्रशासनिक खर्चों में भारी कटौती होगी और हम पर्यावरण संरक्षण में भी अपना बहुमूल्य योगदान दे सकेंगे। सभी अधिकारियों को इस व्यवस्था का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनता ने की सराहना

नगर निगम के इस कदम की आम जनता और पर्यावरणविदों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है। लोगों का कहना है कि जब सरकारी अधिकारी खुद आगे बढ़कर ईंधन बचाने और कार पूलिंग का संदेश देंगे, तो इससे आम नागरिकों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा मिलेगी।

किसानों को मिलेंगी आधुनिक कृषि तकनीकों एवं योजनाओं की जानकारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

कृषक कल्याण वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाए जाने के तारतम्य में आज जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया एवं कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट से कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर जिले के समस्त विकासखंडों के लिए रवाना किया। कृषि रथ के माध्यम से किसानों को कृषि एवं संबद्ध विभागों की योजनाओं, नवीन वैज्ञानिक तकनीकों तथा आधुनिक कृषि पद्धतियों की जानकारी दी जाएगी। जिसमें कृषि अभियांत्रिकी, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, प्राकृतिक खेती, नरवाई प्रबंधन, ई-विकास प्रणाली से उर्वरक वितरण, हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर से सीधे बुवाई की तकनीकों के संबंध में किसानों को जागरूक किया जाएगा। कृषि रथ प्रत्येक विकासखंड में तीन से चार ग्राम पंचायतों का प्रतिदिन भ्रमण करेगा तथा लगभग 10 दिनों तक क्षेत्र में संचालित रहेगा। इसमें खरीफ एवं रबी फसलों की बुवाई से पूर्व किसानों तक नई तकनीकों और वैज्ञानिक जानकारी को पहुंचाने का उद्देश्य रखा गया है। इसके साथ ही एग्री स्टेक पोर्टल पर कृषकों की फार्म रजिस्ट्री एवं ई-केवायसी के शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति के लिए भी विशेष अभियान चलाया जाएगा। कृषि रथ जिन ग्राम पंचायतों में पहुंचेंगे, वहां शिविर आयोजित कर किसानों के फार्म आईडी निर्माण एवं भू-अधिकारों को जोड़ने की कार्यवाही संबंधित विभागीय कर्मचारियों द्वारा की जाएगी। कृषि विभाग ने जिले के किसानों से अपील की है कि वे अपने ग्राम में पहुंचने वाले कृषि रथ से जुड़कर विभागीय योजनाओं एवं आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करें तथा शासन की योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

मां हिरण नदी जल संवर्धन :

ग्राम गुबरा खुर्द में रथ यात्रा एवं जल संवाद कार्यक्रम आयोजित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मां हिरण नदी जल संवर्धन यात्रा का शहपुरा विकासखंड के भिटौनी सेक्टर बेलखेड़ा के तटवर्ती ग्राम पंचायत समदपुरा के ग्राम गुबरा खुर्द में आगमन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां हिरण नदी घाट पर दीप प्रज्वलन, पूजा एवं आरती के साथ किया गया। मां हिरण नदी जल संवर्धन अंतर्गत ग्रामवासियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से कलश यात्रा निकाली गई साथ ही विविध कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान रथ यात्रा एवं जल संवाद का आयोजन कर जल संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को स्वच्छता एवं पौधारोपण की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में तहसीलदार श्री कल्याण सिंह क्षत्रिय, मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमती सोनिया सिंह शहपुरा, सरपंच श्रीमती प्रतिभा चडार, इंजीनियर श्री राजेश कोठार शहपुरा, सचिव श्री नारायण सिंह, सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित अन्य विकासखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही नवांकुर संस्था ग्राम विकास जन कल्याण समिति सुरई के अध्यक्ष श्री धनीराम चडार, परामर्शदाता सुश्री निकिता पटेल, श्री तिलक सिंह, श्री सतेंद्र मिश्रा एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

पश्चिम मध्य रेलवे ने अप्रैल माह में रुपए 744 करोड़ का ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पश्चिम मध्य रेल में वाणिज्य/परिचालन विभाग के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल 2026 माह में रुपए 744 करोड़ 13 लाख का कुल प्राम्भिक राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी माह (रुपए 739 करोड़ 84 लाख) कि तुलना में अधिक है। जिसमें यात्री यातायात से रुपये 220 करोड़ 06 लाख, माल यातायात से रुपये 480 करोड़ 82 लाख, अन्य कोचिंग मद में रुपये 15 करोड़ 31 लाख एवं विविध आय यानि संड्री से रुपये 27 करोड 94 लाख का रेलवे ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू शामिल है। यदि मण्डल वाइस बात करे तो अप्रैल 2026 माह में जबलपुर मण्डल ने रुपए 439 करोड़ 93 लाख, भोपाल मण्डल ने 173 करोड़ 91 लाख एवं कोटा मण्डल ने रुपए 130 करोड़ 29 लाख का कुल ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिम मध्य रेलवे ने संपूर्ण वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रुपए 9126 करोड़ का ओरिजिनेटिंग राजस्व प्राप्त किया था, जो वर्ष 2024-25 (रुपए 8223 करोड़) कि तुलना में 11 प्रतिशत अधिक था तथा रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य रुपए 8677 करोड़ ऑरिजनेटिंग रेवन्यू से 5 प्रतिशत अधिक था। यह उल्लेखनीय बढ़ोतरी सतत मॉनिटरिंग एवं वाणिज्य तथा परिचालन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडलों में किए गए निरंतर प्रयासों का परिणाम है।

यात्री यातायात के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:- स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा हैं। साथ ही पमरे से चलने वाली स्पेशल ट्रेनों की संचालन अवधि को विस्तारित भी किया जा रहा हैं। यात्री ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के लिए अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए नए प्रायोगिक ठहराव दिए जा रहे हैं। साथ ही मिलने वाले प्रायोगिक ठहराव की अवधि को भी बढ़ाया जा रहा हैं।

माल यातायात के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:- माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएँ शुरू की गईं । नए माल गोदामों को विकसित कर-के उन्नयन कार्य किया जा रहा है। गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल/ साइडिंग को बढ़ाने का निरंतर प्रयास किये जा रहे है। व्यवसाय विकास इकाइयां (बीडीयू) के तहत नए ग्राहक को आकर्षित करने के लिए रेलवे द्वारा फ्रेट लोडिंग की प्रोत्साहित योजनाओं के अंतर्गत अनेक छूट और रियायतें दी जा रही हैं।

अन्य कोचिंग एवं विविध आय यानि संड्री रेवेन्यू के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:- गैर किराया राजस्व (नॉन फेयर रेवेन्यू) में वृद्धि के लिए नवाचारों और नविन अवधारणाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है।

निगमायुक्त ने राजस्व वसूली और स्वच्छता अभियान पर दिया बैठक में विशेष जोर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगर निगम के द्वारा कराए जा रहे कार्यों को गति देने के लिए निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज पांच प्रमुख विभागों की बारी-बारी से सघन समीक्षा की। समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों को कहा कि जनहित के कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगमायुक्त ने वित्तीय वर्ष की शुरूआत से ही राजस्व वसूली पर विशेष फोकस करने के लिए सभी राजस्व निरीक्षकों को कड़े निर्देश दिये। समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त ने समय पर टैक्स संग्रहण और वित्तीय स्थिति मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने शहर को साफ-सुथरा और डंपिंग-मुक्त बनाने की कार्ययोजना ,व्यवस्थापन और राजस्व वृद्धि के उपाय, शहरी आजीविका मिशन के तहत हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना, निगम के अधीन आने वाले शिक्षण संस्थानों में और अधिक सुधार करने के निर्देश दिये।

जनभागीदारी से सफल होगा स्वच्छता अभियान

बैठक में स्वच्छता को लेकर निगमायुक्त का एक बेहद सकारात्मक और संवेदनशील नजरिया देखने को मिला। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि स्वच्छता अभियान शासकीय काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर लोगों को आपस में जोड़ने का कार्य है। जब तक हर नागरिक इस अभियान से दिल से नहीं जुड़ेगा, तब तक हम पूर्ण स्वच्छता का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकते। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की टीम को निर्देश दिए कि वे वार्डों में जाकर जनता से सीधा संवाद करें और स्वच्छता को एक जन-आंदोलन का रूप दें।

केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण

शिविर प्रतिभागियों को वितरित की गई पौष्टिक खाद्य सामग्री

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में बच्चों के पोषण को बढ़ावा देने के लिए पूर्व फुटबाल प्रभारी बृंदावन वर्मा के सौजन्य से 350 युवा खिलाड़ियों को पौष्टिक खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम, आलोक श्रीवास्तव, महेश चन्द्र बलोदी, रावेन्द्र वर्मा, रमेश वर्मा, रोहित कुशवाहा, राजेश सिंह, कुलदीप बहादुर, पवन पटेल, क्रिस्टोफर नरोन्हा, विशाल सोना, हरीश नायक सहित विभिन्न खेल प्रभारी उपस्थित थे। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम ने कहा कि पूर्व फुटबाल प्रभारी बृंदावन वर्मा द्वारा प्रशिक्षण शिविर के नन्हें प्रतिभागियों को पौष्टिक खाद्य सामग्री का वितरण करना उनकी खेल के प्रति सरोकार की भावना का परिचय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों में समाज और बृंदावन वर्मा जैसे पूर्व खेल प्रभारी का सहयोग बच्चों को बेहतर खिलाड़ी बनने और मैदान पर ऊजार्वान रहने की प्रेरणा देता है। पूर्व फुटबाल प्रभारी बृंदावन वर्मा ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ते देखना मेरा सबसे बड़ा पुरस्कार है। ग्रीष्मकालीन शिविर बच्चों को अपनी ऊर्जा का सही इस्तेमाल करना सिखाते हैं। उन्होंने कहा कि खेलों में केवल अभ्यास काफी नहीं है, बल्कि सही पोषण भी बहुत जरूरी है। इन बच्चों को पौष्टिक आहार देना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है, ताकि वे स्वस्थ और मजबूत बने रहें। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ फुटबाल खिलाड़ी क्रिस्टोफर नरोन्हा ने किया।

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर महाकोशल महाविद्यालय में भव्य परिचर्चा, विद्यार्थियों ने जाना ऐतिहासिक विरासत का महत्व

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय जबलपुर एवं मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ह्लअंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवसह्व के अवसर पर एक महत्वपूर्ण परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय ह्लमहाकौशल की ऐतिहासिक विरासत और संग्रहालयीय महत्वह्व रहा, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अलकेश चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संग्रहालय केवल वस्तुओं के

प्रदर्शन स्थल नहीं होते, बल्कि वे हमारी सभ्यता, संस्कृति, कला और इतिहास के जीवंत संरक्षक होते हैं। उन्होंने महाकौशल क्षेत्र की समृद्ध पुरातात्त्विक धरोहर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह क्षेत्र मानव सभ्यता के विकास का एक अत्यंत महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। उन्होंने नर्मदा घाटी के हथनौरा क्षेत्र से प्राप्त प्राचीन मानव अवशेष ह्यनर्मदाकेसिसह्व का उल्लेख करते हुए इसे मानव विकास क्रम की अमूल्य धरोहर बताया। साथ ही रूपनाथ का ऐतिहासिक अशोक शिलालेख, तेवर एवं ककरेहटा के पुरातात्त्विक उत्खनन, बिलहरी एवं नरसिंहपुर के कलचुरीकालीन अवशेष, तिगवा का प्रसिद्ध गुप्तकालीन विष्णु मंदिर तथा राम वन गमन पथ से जुड़े सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक साक्ष्यों को महाकौशल की गौरवशाली विरासत का प्रतीक बताया। संभागीय नोडल अधिकारी प्रो. अरुण शुक्ल ने अपने उद्बोधन में संग्रहालयों को ह्लअतीत और वर्तमान के बीच संवाद का जीवंत सेतुह्व बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के युग में भी संग्रहालय हमारी ऐतिहासिक पहचान और सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विज्ञान संग्रहालय, कला संग्रहालय एवं ऐतिहासिक संग्रहालय विद्यार्थियों और युवाओं के लिए ज्ञान का अनमोल स्त्रोत हैं, जो उन्हें शोध एवं अध्ययन के लिए प्रेरित करते हैं।

बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें ।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।

सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।

घर में लगाएं ये फूल तनाव होगा दूर, भीनी-भीनी खुशबू से आएंगी जीवन में खुशियां

आजकल के भागदौड़ भरे जीवन में सुकुन के दो पल चुराना बेहद मुश्किल हो गया है। बिजी लाइफ स्टाइल की वजह से लोग अक्सर तनाव में रहते हैं। ऐसे में इस तनाव को दूर करने के लिए अधिकतर लोग शहर से दूर बाहर किसी हिल स्टेशन पर जाना पसंद करते हैं। लेकिन हर कोई टेंशन कम करने के लिए हिल स्टेशन नहीं जा सकते हैं। लेकिन इसका ये मतलब नहीं है कि आप तनाव में रहें।

आप जीवन की टेंशन को घर में ही कम कर सकते हैं। आपके दिमाग में भी यहीं सवाल आया होगा कि कैसे टेंशन कम होगी? घबराइए मत हम आपकी सारी उलझन को दूर कर देंगे। इस लेख में हम आपको कुछ फूल के बारे में बताएंगे, जो आपके घर में खुशियां लेकर आएंगे। साथ ही यह फूल घर के साथ-साथ जीवन को भी महका देंगे।

चमेली

फूल न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाते हैं बल्कि घर का वातावरण भी शुद्ध होता है। ऐसे में आप अपने घर में चमेली के फूल का पौधा लगा सकते हैं। चमेली का फूल अक्सर हर घर में मिल जाता है। इस फूल से पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके घर को खुशनुमा माहौल देगी। कहा जाता है कि चमेली का पौधा लगाने से घर में खुशियां आती हैं।

कमल

हिंदू धर्म में कमल का फूल बेहद खास माना जाता है। यह फूल मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय है। कहा जाता है कि इस फूल को लगाने से घर में लक्ष्मी और सुख-समृद्धि आती है। घर में इस पौधे को लगाना बेहद शुभ माना जाता है।

मोगरा का फूल

ऐसा कहा जाता है कि घर में मोगरा पौधा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा कम हो जाती है। मोगरे के फूल गर्मियों के मौसम में खिलता है। इस फूल की भीनी-भीनी खुशबू आपके तनाव को कम कर देंगे। मोगरा के फूल की खुशबू से घर आपके मन को तरोताजा कर देगी।

गुलाब

गुलाब का फूल न केवल दिखने में खूबसूरत है बल्कि यह फूल औषधीय गुण से भरपूर है। गुलाब की खुशबू तनाव को दूर करने में मदद करती है, साथ ही इससे रिश्ते की मिठास बनी रहती हैं।

चम्पा

चम्पा फूल को लगाने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। हल्के पीले और सफेद रंग के ये चम्पा के फूल बहुत ही खूबसूरत होते हैं। इस फूल को लगाने से घर में सौभाग्य आता है।

गुड़हल का फूल

गुड़हल के फूल का उपयोग पूजा-पाठ में किया जाता है। भगवान गणेश को लाल गुड़हल के फूल बेहद पसंद है। ऐसा माना जाता है कि इस फूल को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा आती है। लाल गुड़हल के फूल को आप भगवान बजरंगबली को भी अर्पित कर सकते हैं।

पारिजात

ऐसा माना जाता है कि पारिजात का फूल लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। यह फूल रात के समय में खिलते हैं सुबह पेड़ से टूटकर गिर जाते हैं। इस फूल की खुशबू से पूरा घर महक जाता है। सुबह-सुबह घर में भीनी-भीनी खुशबू से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती हैं।

पारिजात के फूल को हरसिंगार के नाम से भी जाना जाता है। इस फूल की खुशबू से तनाव कम हो जाता है।

1 नहीं बल्कि 3 तरीकों से उगाया जा सकता है फ्रेश हरा धनिया

भारतीय घरों में खाने का जायका बढ़ाने के लिए हरा धनिया का इस्तेमाल किया जाता है। इसलिए हर रसोई में खाने में स्वाद और फ्लेवर के लिए फ्रेश धनिया गार्निश के लिए डाला जाता है। हालांकि, हर वक्त फ्रेश धनिया लाना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन अगर हम आपसे कहें कि आप घर में ही फ्रेश धनिया उगा सकती हैं और वो भी 3 तरीकों से। जी हां, आपने सही पढ़ क्योंकि आज आप इस लेख में जानने वाले हैं घर पर आसानी से हरा धनिया कैसे उगाया जा सकता है

सीड्स से उगाएं हरा धनिया

आप अपने गार्डन में हरा धनिया बीज की सहायता से लगा सकती हैं। (सेहत के लिए वरदान है हरा धनिया, डाइट में जरूर करें शामिल) आपको किसी भी प्लांट की शॉप से बीज आसानी से मिल जाएंगे, जिसे आप किसी गमले, कंटेनर या फिर प्लास्टिक की बोतल में मिट्टी की मदद से पौधा लगा सकती हैं। हालांकि, पौधे की ग्रोथ तभी होगी जब आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखेंगी जैसे- आप मिट्टी की नमी पर ध्यान दें, पौधे में नियमित रूप से पानी डालें।

कटिंग से उगाएं हरा धनिया

आप अपने किचन में भी हरा धनिया का पौधा लगा सकती हैं। इसके लिए, आपको बस धनिये के पत्ते की जरूरत होगी। हालांकि, इसके पौधे को सही तरीके से लगाने के लिए आपको मिट्टी सही तरीके से तैयार करनी होगी। साथ ही, आपको बाजार से गमला खरीदकर लाना होगा और इसमें मिट्टी और खाद की मदद से कटिंग लगानी होगी।

हरा धनिया की जड़ का करें इस्तेमाल

बहुत-सी महिलाएं हरा धनिये की जड़ को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि आप इसकी जड़ की सहायता से फ्रेश हरा धनिया भी उगा सकती हैं। कहा जाता है कि जड़ से उगाया गया पौधा बीज से ज्यादा अच्छा होता है। साथ ही, इसकी ग्रोथ भी अच्छी होती हैं। इसके लिए बस आपको मिट्टी में जड़ को बोना है और नियमित तौर पर पानी डालना है।

धनिया उगाने का आसान तरीका

आवश्यक सामग्री- कंटेनर/गमला/ प्लास्टिक की बोतल, मिट्टी और खाद, कटिंग/बीज, पानी

विधि - पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आपको गमले का चुनाव करना होगा। आप छोटा गमला सेलेक्ट कर सकती हैं। गमले का चुनाव करने के बाद आप इसमें मिट्टी डालें और अच्छी तरह से मिला लें। आप पौधे की मिट्टी तैयार करते समय 50% कोको-पीट और 50% वर्मीकम्पोस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। मिट्टी तैयार करने के बाद आप इसमें पौधे की कटिंग, बीज को अच्छी तरह से लगा दें। कटिंग या बीज को लगाने के बाद आप पौधे में पानी डालें।

बस आपका पौधा पूरी तरह से तैयार है। आप इसका नियमित रूप से ध्यान रखें और फ्रेश हरा धनिया आने का इंतजार करें।

फर्नीचर हर घर की जरूरत है। आमतौर पर, लोग अपने घर के लिए ऐसे फर्नीचर खरीदना पसंद करते हैं, जो देखने में आकर्षक भी हों और बेहद अफोर्डे बल भी हों। इस लिहाज से प्लास्टिक के फर्नीचर का चयन करना एक अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इनमें आपको डिजाइन से लेकर साइज व कलर आदि में एक बिग वैरायटी देखने को मिलेगी।

घर में प्लास्टिक फर्नीचर रखते समय वास्तु के इन टिप्स का रखें ध्यान

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल करने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन अगर आप प्लास्टिक के फर्नीचर को घर में जगह दे रही हैं, तो आपको वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखना चाहिए। दरअसल, प्लास्टिक के फर्नीचर को अगर घर में सही तरह से ना रखा जाए तो यह कभी-कभी नकारात्मकता भी पैदा कर सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में आपको वास्तुशास्त्री डॉ. आनंद भारद्वाज बता रहे हैं कि घर में प्लास्टिक के फर्नीचर रखते समय किन वास्तु टिप्स का ख्याल रखा जाना चाहिए

कलर का रखें ख्याल

जब आप प्लास्टिक के फर्नीचर का इस्तेमाल कर रही हैं, तो आपको इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए कि उस फर्नीचर का कलर कैसा है। आमतौर पर, प्लास्टिक के फर्नीचर के लिए क्रीम, व्हाइट, येलो और लाइट कलर का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। कभी भी ब्लैक कलर के प्लास्टिक फर्नीचर को घर में नहीं रखना चाहिए। वहीं, आजकल ऐसे प्लास्टिक फर्नीचर भी अवेलेबल हैं, जिसमें एक साथ कई कलर मिक्स होते हैं, बेहतर होगा कि आप उसे भी अवॉयड करें।

जब करें स्टडी

आजकल बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की मिलती हैं, जिन्हें लोग खरीदना काफी पसंद करते हैं। लेकिन वास्तु के अनुसार बच्चों की स्टडी टेबल और चेयर प्लास्टिक की नहीं होनी चाहिए। इससे बच्चे को पढ़ाई में ध्यान लगाने में समस्या पैदा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप उनके लिए लकड़ी से बने फर्नीचर को प्राथमिकता दें। हालांकि, आप किसी कारणवश प्लास्टिक फर्नीचर का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उस पर कोई कपड़ा बिछा दें।

जब करें पूजा

ऐसे कई लोग होते हैं, जिन्हें घुटनों की समस्या होती है तो वह कुर्सी पर बैठकर पूजा करते हैं। कोशिश करें कि आप जिस कुर्सी का इस्तेमाल पूजा स्थान में कर रहे हैं,, वह प्लास्टिक की ना हो। लेकिन फिर भी अगर आप ऐसा कर रहे हैं, तो कुर्सी पर कोई कपड़ा अवश्य बिछाएं। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना है कि पूजा करते समय आप प्लास्टिक के डायरेक्ट संपर्क में ना रहें।

लॉन में करें इस्तेमाल

यूं तो प्लास्टिक के फर्नीचर को लोग घर के किसी भी हिस्से में इस्तेमाल करते हैं। लेकिन आमतौर पर इस तरह के फर्नीचर को ऐसी जगह रखने की सलाह दी जाती है, जहां पर आप फुर्सत के पल बिताते हों और कोई बहुत आवश्यक या सेंसेटिव काम ना करते हों। इस लिहाज से प्लास्टिक फर्नीचर को घर के पीछे लॉन या फिर सामने खुले आंगन, व छत आदि पर रखना अधिक अच्छा माना जाता है।

प्लास्टिक का ना हो बेड

कुछ समय पहले तक बेड बनाते समय केवल लकड़ी का ही इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब मार्केट में प्लास्टिक के बेड भी मिलने लगे हैं। हालांकि, कभी भी घर में प्लास्टिक के बेड का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। बेड एक ऐसा फर्नीचर है, जिस पर आप एक लंबा समय बिताते हैं। ऐसे में प्लास्टिक की एनर्जी आपकी बॉडी की एनर्जी में नकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। बेड के लिए हमेशा लकड़ी के इस्तेमाल को ही प्राथमिकता दें।

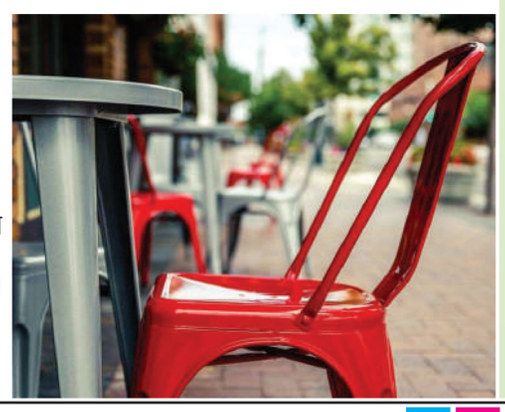

यामी गौतम

की 'नई नवेली' में हुई उस एक्ट्रेस की एंट्री! जो अक्षय के साथ मचा रही धमाल

पिछले कुछ महीने आदित्य धर की 'धुरंधर' के नाम रहे हैं. दिसंबर के बाद पहली फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की. तो मार्च में आए पार्ट 2 का क्रेज अब भी देखने को मिल रहा है. जल्द ही फिल्म ओटीटी पर भी आने वाली है. जिस पार्ट ने दुनियाभर से 1750 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाए हैं. उस फिल्म के लिए आदित्य धर की खूब तारीफ हुई है. यूं तो दूसरे पार्ट में यामी गौतम ने भी काम किया है. उनका कैमियो बेशक बहुत छोटा है. पर इसे काफी पसंद किया गया. उससे पहले से ही एक्ट्रेस जिस पिक्चर पर काम कर रही थीं, वो 'नई नवेली' है. इस पिक्चर को आनंद एल राय ने बनाया है. अब पिक्चर में किस एक्ट्रेस की एंट्री हो गई है, जान लीजिए.

दरअसल 'नई नवेली' एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें यामी एक 'परफेक्ट बहू' का किरदार निभाएंगी. जिसके ससुराल में अजीबोगरीब और रहस्यमयी घटनाएं घटती होती रहती हैं. आखिर में परिवार को उसके इरादों पर शक होने लग जाता है. 'कलर येलो प्रोडक्शंस' के तहत इसे बनाया जा रहा है. वहीं, बालाजी मोहन ने फिल्म को डायरेक्ट किया है. जानिए किसकी एंट्री हुई है.

नई नवेली में किसकी एंट्री हो गई है?

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि यामी गौतम की 'नई नवेली' में जैकलीन फर्नांडिस की एंट्री हो गई है. उनका फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस होने वाला है. वहीं, जैकलीन ने हाल ही में इस फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है. जिसने फैन्स का एक्साइटमेंट लेवल बढ़ा दिया है. दरअसल वो पहले से ही अपने अनोखे अंदाज के लिए जानी जाती हैं. हालांकि, एक्ट्रेस फिल्म में कैसा रोल करने वाली है, इसकी अबतक जानकारी नहीं मिली है. दरअसल यह प्रोजेक्ट पहले से ही यामी के अब तक के सबसे अलग और कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में से एक है. वैसे जून में आ रही अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल में भी जैकलीन दिख रही हैं, जिनका अहम रोल होने वाला है.

दरअसल जैकलीन और यामी पहले 'भूत पुलिस' में साथ काम कर चुकी हैं, लेकिन 'नई नवेली' उन्हें एक बिल्कुल ही अलग माहौल में पेश करती है. बताते चलें कि यामी की पिछली फिल्म 'हक' रही थी, जिसमें जबरदस्त काम किया था. एक्ट्रेस की काफी तारीफ भी हुई थी. देखना होगा कि नई नवेली से कितना इम्प्रेस कर पाती हैं.

मौनी रॉय

से शादी नहीं करना चाहते थे सूरज नांबियार, एक अल्टीमेटम पर बनी थी बात, 4 साल में ही रिश्ते में आई दरार

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अलग पहचान बनाने वाली मौनी रॉय इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में हैं. सोशल मीडिया पर काफी वक्त से उनके और पति सूरज नांबियार के रिश्ते को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं. जिसके बाद दोनों ने अलग होने की अनाउंसमेंट कर दी है. हालांकि, इस दौरान सूरज का एक पुराना इंटरव्यू तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने खुलासा किया था कि वो शादी के लिए बिल्कुल तैयार नहीं थे.साल 2022 में मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने शादी की थी, दोनों की शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई और लोगों ने इसे बहुत पसंद किया था. लेकिन, अब शादी के चार साल बाद दोनों के अलग होने की बीच उनके फैंस को काफी हैरान कर रही है. इस दौरान दोनों के कई पुराने वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें से एक इंटरव्यू का क्लिप भी सामने आया है, जिसमें सूरज नांबियार ने मौनी से शादी के फैसले को लेकर खुलासा किया है.

शादी के कॉन्सेप्ट पर भरोसा ही नहीं था

पुराने इंटरव्यू में सूरज नांबियार ने बताया था कि लंबे समय तक उन्हें शादी के कॉन्सेप्ट पर भरोसा ही नहीं था. उनका मानना था कि शादी उनके लिए नहीं बनी है और वो इस जिम्मेदारी के लिए तैयार भी नहीं थे. लेकिन, दूसरी तरफ मौनी अपने रिश्ते को लेकर बेहद गंभीर थीं और वो जिंदगी में स्थिरता चाहती थीं. सूरज ने बताया था कि मौनी ने उनसे साफ शब्दों में कह दिया था कि अगर रिश्ता आगे बढ़ाना है तो उसे एक नाम देना होगा, वरना दोनों के रास्ते अलग हो जाएंगे.

मौनी ने दिया था सूरज को अल्टीमेटम

ये इंटरव्यू सूरज और मौनी की शादी के करीब एक साल बाद का था और सूरज ने खुलासा किया था कि वो लंबे वक्त तक शादी के आइडिया के खिलाफ थे, लेकिन अब वो लोगों को इसकी सलाह देते है. सूरज ने पहले के वक्त को याद करते हुए कहा था, 'एक दिन उसने मुझे अल्टीमेटम दिया और मुझे एहसास हुआ कि अगर मैंने उससे शादी नहीं की, तो मैं उसे खो दूंगा.' सूरज ने आगे कहा कि इस अल्टीमेटम ने उसे ये एहसास दिलाया कि अगर उसने शादी के लिए कमिटमेंट नहीं दी तो वो मौनी को हमेशा के लिए खो सकता है.

कान्स में किसी ने नोटिस नहीं किया... ट्रोलिंग पर आलिया भट्ट का आ गया जवाब

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में आलिया भट्ट का जलवा रहा. फिल्म और फैशन के इस महाकुंभ में आलिया भट्ट ने अपने फैशन और स्टाइल से खूब सुर्खियां बटोरीं. उन्होंने कान्स में आशुतोष गोवारिकर के साथ भारत पवेलियन का उद्घाटन भी किया. साथ ही लोरियाल की कई ब्रैंड एंबेसेडर्स के साथ उन्होंने अपियरेंस भी दी. इन सबके बीच आलिया को खूब ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा. कई ट्रोल्स ने दावा किया कि कान्स के रेड कार्पेट पर आलियो को इग्नोर कर दिया गया. हालांकि आलिया को इन बातों का जरा भी फर्क नहीं पड़ा और वो लगातार अलग अलग ड्रेसेस में रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती रहीं.कान्कान्स में अपने दौरे को खत्म करते ही आलिया ने एक ट्रोल को इतनी समझदारी और सादगी से जवाब दिया की फैंस उनके दीवाने हो गए. इंस्टाग्राम पर आलिया ने अपने तमाम कान्स लुक शेयर किए हैं. आलिया के एक पोस्ट पर एक ट्रोल ने उनका मजाक उड़ाते हुए लिखा, कितने अफसोस की बात है, किसी ने आपको नोटिस नहीं किया. इसके साथ हंसने वाली इमोजी भी कमेंट की गई थी.

ट्रोल को आलिया भट्ट का जवाब

आलिया को लगातार सोशल मीडिया पर निशाना बनाया जा रहा था. हालांकि उन्होंने तब कुछ नहीं कहा. गुरुवार को आलिया ने ट्रोल को जवाब देने का फैसला किया. उन्होंने कमेंट बॉक्स में ट्रोल को रिप्लाई करते हुए लिखा, अफसोस क्यों लव? आपने तो मुझे नोटिस कर लिया. आलिया का इस तरह से जवाब देना उनके फैंस को खूब पसंद आया और इस कमेंट को फैंस लगातार लाइक कर रहे हैं और रिप्लाई भी कर रहे हैं.

इन सितारों ने किया सपोर्ट

कान्स फिल्म फेस्टिवल जाने के बाद से पहले दिन से ही आलिया ट्रोल्स के निशान पर हैं. रेड कार्पेट के वीडियो को शेयर कर ट्रोल्स दावा कर रहे हैं कि आलिया को वहां किसी कैमरामैन ने नोटिस नहीं किया. ट्रोल्स की इन हरकतों पर एक्टर अली गोनी और राहुल वैद्या ने रिएक्शन दिया और ट्रोल्स को खरी खोटी सुनाई.

आलिया का वर्कफ्रंट

आलिया आखिरी बार पिछले साल आई फिल्म 'जिगरा' में लीड रोल में नज़र आई थीं. हालांकि फिल्म कुछ खास नहीं चली. आलिया हिंदी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं. आने वाले दिनों में आलिया अल्फा, लव एंड वॉर, तुम्बाड 2, ब्रह्मास्त्र 2 और जी ले जरा जैसी फिल्मों में नज़र आएंगी. इसके अलावा भी कई अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट पर उनकी बात चल रही है.

मैं उनके लिए पागल हूं, उनके पीछे भागना चाहती हूं...17 साल बड़े किस क्रिकेटर की दीवानी थीं माधुरी दीक्षित?

माधुरी दीक्षित बॉलीवुड की एक ऐसी एक्ट्रेस हैं, जिन्होंने सिर्फ 3 साल की उम्र में डांस की ट्रेनिंग शुरू कर दी थी. आगे चलकर उन्होंने बॉलीवुड में अपनी डांसिंग स्किल्स और शानदार एक्टिंग से खूब नाम कमाया. वो दशकों से बॉलीवुड का हिस्सा हैं. आज भी उनका नाम टॉप पर है. उन्होंने साल 1984 में आई फिल्म 'अबोध' से अपना करियर शुरू किया था. उसके बाद उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा. सलमान, शाहरुख और आमिर खान जैसे तमाम बड़े सितारों के साथ उन्होंने फिल्में की हैं.

डेब्यू फिल्म के 42 सालों के बाद भी वो बॉलीवुड में एक्टिव हैं. उनके लाखों दीवाने हैं. लेकिन क्या आप उस पूर्व भारतीय क्रिकेटर के बारे में जानते हैं, जिसपर कभी माधुरी का क्रश था. एक्ट्रेस ने खुद एक बार उस क्रिकेटर का नाम बताया था. आज यानी 15 मई को माधुरी दीक्षित का बर्थडे है. वो 59 साल की हो चुकी हैं. उनके जन्मदिन के मौके पर चलिए जानते हैं कि आखिर वो क्रिकेटर कौन है और माधुरी ने उसके बारे क्या कहा था.

माधुरी को किस क्रिकेटर पर क्रश था ?

वो पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर हैं, जो उम्र में माधुरी से लगभग 17 साल बड़े हैं. 90ह्य में माधुरी इनकी दीवानी थीं. 1992 में एक इंटरव्यू में माधुरी ने कहा था, मैं सुनील गावस्कर के लिए पागल हूं. वो काफी हैंडसम हैं. मैं उनके पीछे भागना चाहती हूं. वो मेरे सपने में भी आते हैं. माधुरी का इंटरव्यू उस समय काफी चर्चा में रहा था.

जब सलमान से ज्यादा फीस मिली

डेब्यू करने के कुछ सालों में ही माधुरी बॉलीवुड का बड़ा नाम बन चुकी हैं. वो उस दौर में कई एक्टर्स से भी ज्यादा फीस चार्ज करती थीं. एक बार तो उन्हें सलमान खान से भी ज्यादा फीस मिली थी. दरअसल, साल 1994 में सूरज बड़जात्या के डायरेक्शन में 'हम आपके हैं कौन' के नाम से एक रोमांटिक फिल्म आई थी, जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर रही थी.

'हम आपके हैं कौन' फिल्म में सलमान और माधुरी एक साथ दिखे थे. दोनों की जोड़ी काफी पसंद की गई थी. रिपोर्ट की मानें तो इस फिल्म के लिए माधुरी को 2.7 करोड़ रुपये मिले थे. हालांकि, सलमान के बारे में कहा जाता है कि उन्हें माधुरी की तुलना में कम पैसे मिले थे. लेकिन सलमान ने कितने पैसे लिए थे, उसकी जानकारी सामने नहीं आई थी.

संजीवनी क्लीनिक में फर्जी डिग्री वाले डॉक्टरों की जांच तेज, स्वास्थ्य विभाग ने दस्तावेज तलब किए

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर में स्थित संजीवनी क्लीनिक (चेरीताल क्षेत्र) एक बार फिर जांच के घेरे में आ गया है। यहां कथित रूप से फर्जी डिग्री के आधार पर इलाज करने वाले डॉक्टरों के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाते हुए विस्तृत जांच शुरू कर दी है। इस पूरे मामले ने शहर के निजी स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, संजीवनी क्लीनिक में लंबे समय से विभिन्न बीमारियों के मरीजों का इलाज किया जा रहा था। हाल ही में स्वास्थ्य विभाग को शिकायत मिली कि यहां कुछ डॉक्टर बिना वैध डिग्री और पंजीकरण के चिकित्सा सेवाएं दे रहे हैं। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने तत्काल प्रभाव से जांच दल गठित किया। जांच के दौरान कई डॉक्टरों के शैक्षणिक दस्तावेज, रजिस्ट्रेशन नंबर और डिग्री प्रमाणपत्रों की जांच की गई। शुरूआती जांच में कुछ दस्तावेजों को लेकर संदेह जताया गया है। बताया जा रहा है कि कुछ प्रमाणपत्रों का मिलान संबंधित मेडिकल काउंसिल रिकॉर्ड से नहीं हो पाया, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है।

अंतरराज्यीय नेटवर्क की आशंका

जांच अधिकारियों को आशंका है कि यह मामला केवल एक क्लीनिक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार दूसरे राज्यों से भी जुड़े हो सकते हैं। कुछ दस्तावेजों में दर्ज पंजीकरण नंबर और डिग्री संस्थानों का सत्यापन भी दूसरे राज्यों की संस्थाओं से कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यदि जांच में फर्जी डिग्री या अवैध पंजीकरण की पुष्टि होती है तो संबंधित डॉक्टरों और क्लीनिक प्रबंधन पर कठोर कार्रवाई की जाएगी, जिसमें लाइसेंस निरस्तीकरण और कानूनी कार्रवाई भी शामिल हो सकती है।

पुलिस की भी एंट्री, रिकॉर्ड जब्त

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को भी जांच में शामिल किया गया है। पुलिस ने क्लीनिक से कई दस्तावेज, रजिस्टर और मरीजों से संबंधित रिकॉर्ड जब्त किए हैं। इन सभी दस्तावेजों की फॉरेंसिक और तकनीकी जांच कराई जा रही है ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को पूरी तरह उजागर किया जा सके।

मरीजों की सुरक्षा पर बड़ा सवाल

इस पूरे प्रकरण ने शहर में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि लंबे समय तक बिना वैध डिग्री के इलाज चलता रहा तो यह मरीजों के जीवन के साथ गंभीर खिलवाड़ है। कई मरीजों और परिजनों ने भी मांग की है कि इस तरह के मामलों में केवल जांच ही नहीं, बल्कि तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

स्वास्थ्य विभाग का सख्त संदेश

स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया है कि जिले के सभी निजी क्लीनिकों और अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टरों की डिग्री और पंजीकरण की फिर से गहन जांच की जाएगी। किसी भी तरह की अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस मामले में बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

गढ़ा थाना क्षेत्र में धार्मिक स्थल पर महिला से छेड़छाड़ और लूट की कोशिश, आरोपी फरार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गढ़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब पिसनहारी मढ़िया जैन तीर्थ स्थल पर दर्शन करने आई एक महिला श्रद्धालु के साथ छेड़छाड़ और लूटपाट की कोशिश की गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, राजस्थान के जयपुर से एक महिला अपने परिवार के साथ तीर्थ दर्शन के लिए जबलपुर आई थी। वह गढ़ा क्षेत्र स्थित पिसनहारी मढ़िया जैन मंदिर में दर्शन के लिए पहुंची थी। दर्शन के बाद जब वह अपने बच्चे के साथ मंदिर परिसर में घूम रही थी, तभी एक अज्ञात युवक ने उसे रोककर अश्लील इशारे करते हुए छेड़छाड़ की कोशिश की। पीड़िता ने शोर मचाकर विरोध किया, जिसके बाद आरोपी ने लूटपाट का प्रयास भी किया और मौके से भागने लगा। शोर सुनकर आसपास मौजूद श्रद्धालु और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

पुलिस ने शुरू की जांच, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे

घटना की सूचना मिलते ही गढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मंदिर

परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जब्त कर ली है और आरोपी की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह मामला छेड़छाड़ और लूटपाट की कोशिश का प्रतीत हो रहा है। आरोपी की पहचान के लिए टीम गठित कर दी गई है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया गया है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

धार्मिक स्थल पर हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि मंदिर परिसर में पर्याप्त सुरक्षा गार्ड और निगरानी व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। लोगों ने मांग की है कि प्रमुख धार्मिक स्थलों पर पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और सीसीटीवी निगरानी को और मजबूत किया जाए ताकि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपी की तलाश जारी है।

एल्गिन अस्पताल के बाहर से ई-रिक्शा चोरी, दिनदहाड़े वारदात से हड़कंप

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और अब सिविल लाइन थाना क्षेत्र के व्यस्ततम इलाकों में से एक एल्गिन अस्पताल के बाहर से ई-रिक्शा चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात चोर दिनदहाड़े ई-रिक्शा लेकर फरार हो गए, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार भानतलैया निवासी मोहम्मद शेरू किराए पर ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। वह सोमवार दोपहर लगभग 12:45 बजे अपने परिजनों के इलाज के लिए एल्गिन अस्पताल पहुंचा था। अस्पताल के बाहर उसने अपना ई-रिक्शा सामान्य रूप से खड़ा किया और अंदर चला गया। पीड़ित के अनुसार वह करीब 45 मिनट तक अस्पताल के अंदर अपने काम से व्यस्त रहा। जब वह बाहर आया तो देखा कि उसका ई-रिक्शा अपने स्थान पर नहीं था। उसने तुरंत आसपास के पूरे क्षेत्र में ई-रिक्शा की तलाश की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। कुछ ही मिनटों में ई-रिक्शा चोरी हो जाने से वह सदमे में आ गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। अस्पताल परिसर के बाहर लगातार वाहनों की आवाजाही और भीड़भाड़ के बावजूद चोरी की इस वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अस्पताल क्षेत्र में आए दिन इस तरह की घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन निगरानी व्यवस्था कमजोर बनी हुई है। पीड़ित ने तुरंत सिविल लाइन थाने पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 303(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि वारदात के समय इलाके में कौन-कौन संदिग्ध गतिविधियों में शामिल था।

बरेला थाना क्षेत्र में सड़क हादसा: बस, ट्रैक्टर और टेंपो की टक्कर में 10 यात्री घायल, कई वाहन क्षतिग्रस्त

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

बरेला थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमवार सुबह लगभग 10 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई जब शारदा मंदिर रोड और नवनिर्मित सड़क के पास एक तेज रफ्तार बस ने आगे चल रहे ट्रैक्टर और टेंपो को टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में कुल 10 लोग घायल हो गए, जिनमें कई यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार, लालू बस सर्विस की यात्री बस (लालू बस) जबलपुर से यात्रियों को लेकर आगे बढ़ रही थी। इसी दौरान शारदा मंदिर के पास सड़क पर अचानक स्थिति बिगड़ गई और बस चालक ने नियंत्रण खो दिया। बस ने पहले ट्रैक्टर को टक्कर मारी, जिसके बाद पीछे चल रहा टेंपो भी चपेट में आ गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई

और सड़क पर लंबा जाम लग गया। आसपास के लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बरेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से बरेला सिविल अस्पताल और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे में ट्रैक्टर और टेंपो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं बस के अगले हिस्से को भी भारी नुकसान पहुंचा है। दुर्घटना के बाद मौके पर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे यातायात कुछ समय के लिए पूरी तरह बाधित रहा। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई है। कई जगह पर बैरिकेडिंग और संकेतक ठीक से नहीं लगाए गए हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों ने मांग की है कि इस मार्ग को सुरक्षित बनाने के लिए तत्काल सुधार कार्य किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे रोके जा सकें।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और सड़क पर अव्यवस्थित यातायात को हादसे की वजह माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस सभी वाहनों को हटाकर यातायात सामान्य कराने में जुटी है और हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है।

साले ने जीजा पर लोहे की रॉड से हमला, विवाद के बाद सड़क पर मारपीट

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हनुमानताल थाना क्षेत्र अंतर्गत कब्रिस्तान गेट के पास एक युवक पर उसके साले द्वारा लोहे की रॉड से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मंडी मदार टेकरी निवासी मोहम्मद फहीम का अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद के बाद वह घर से निकलकर कब्रिस्तान गेट के पास टहलने चला गया। इसी दौरान उसके साले निजाम को इसकी सूचना मिली, जिसके बाद वह मौके पर पहुंच गया। आरोप है कि मौके पर पहुंचते ही निजाम ने अपने जीजा मोहम्मद फहीम से बहस शुरू कर दी, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसी बीच आरोपी ने लोहे की रॉड और पाइप से जीजा पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद हनुमानताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए भेजा गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी निजाम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 118(1) और 351(3) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

मानसून की दस्तक से पहले मौसम विभाग का अलर्ट इस साल केरल में 11 जून तक पहुंच सकता है मानसून

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

देश में इस वर्ष मानसून को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने संकेत दिए हैं कि दक्षिण-पश्चिम मानसून इस बार तय समय के आसपास या उससे पहले आगे बढ़ सकता है। अनुमान के अनुसार, मानसून 22 मई तक अरब सागर में सक्रिय हो चुका है और अगले कुछ दिनों में इसकी गति और तेज होने की संभावना है। विभाग के कैलेंडर के मुताबिक, मानसून सामान्यतः 1 जून के आसपास केरल में प्रवेश करता है, लेकिन इस बार परिस्थितियां अनुकूल रहने पर यह 11 जून तक मध्य प्रदेश सहित कई राज्यों में प्रभाव डाल सकता है। पिछले वर्ष मानसून 13 मई को ही अरब सागर में सक्रिय हो गया था, जिससे इसके जल्दी आगे बढ़ने के संकेत मिले थे।

केरल में मानसून की संभावित तारीख

आईएमडी के अनुसार इस बार केरल में मानसून के 26 से 27 मई के बीच पहुंचने की संभावना जताई गई है। यदि मौसम की स्थिति अनुकूल रही तो यह तय समय से पहले भी दस्तक दे सकता है। पिछले साल मानसून 16 मई को केरल पहुंचा था।

मध्य प्रदेश में कब पहुंचेगा मानसून

मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, यदि मानसून की गति सामान्य रही तो यह 11 जून के बाद मध्य प्रदेश में प्रवेश कर सकता है। हालांकि, इसकी वास्तविक तारीख मौसम की परिस्थितियों और हवाओं की दिशा पर निर्भर करेगी।

मानसून की प्रगति और स्थिति

विभाग ने बताया कि इस समय दक्षिण-पश्चिम मानसून अरब सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों क्षेत्रों में सक्रिय हो रहा है। जैसे-जैसे यह आगे बढ़ेगा, देश के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार मानसून की शुरूआत सामान्य से बेहतर रहने की संभावना है, जिससे किसानों और कृषि कार्यों को राहत मिल सकती है। हालांकि विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि सटीक पूर्वानुमान मानसून की वास्तविक गति पर ही आधारित होगा। फिलहाल मौसम विभाग लगातार मानसून की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है और अगले अपडेट में और स्पष्ट जानकारी जारी की जाएगी।

बीमारी से तंग आकर माली ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

तिलवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम घाना तिलवारा में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां सीने में दर्द की बीमारी से परेशान एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार ग्राम घाना तिलवारा निवासी मनीष कुमार महोबिया के पिता रामलाल अनंततारा कॉलोनी निवासी छोटू जायसवाल के बंगले में माली का काम करते थे। वे प्रतिदिन सुबह लगभग 8 बजे काम पर निकलते थे और शाम करीब 6 बजे घर लौट आते थे। परिवार के अनुसार उनकी दिनचर्या सामान्य रहती थी, लेकिन वे लंबे समय से सीने में दर्द की बीमारी से परेशान थे, जिससे वे मानसिक तनाव में भी रहते

थे। परिजनों के अनुसार घटना वाली रात लगभग 10 बजे जब घर के सभी सदस्य सो रहे थे, उसी दौरान रामलाल ने अपने कमरे में लोहे की पाइप से रस्सी बांधकर फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब परिजनों को इसकी जानकारी लगी तो उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर तिलवारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतारकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। तिलवारा थाना प्रभारी बृजेश मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक लंबे समय से सीने में दर्द से परेशान थे और इसी कारण वे तनाव में रहते थे। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और परिजनों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं।

सुधा
मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
एण्ड हाई रिस्क प्रेगनेन्सी सेन्टर
डॉ. सुधा चौबे
एम.एस. (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
डॉ. मयंक चौबे
फैमिली फिजीशियन
24 घण्टे भर्ती की सुविधा उपलब्ध
सुविधा
» सुरक्षित गायनिक विभाग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) » मेडिसिन विभाग » प्लास्टिक सर्जरी » न्यूरो सर्जरी विभाग » जनरल सर्जरी विभाग » यूरोलॉजी विभाग » पाईजन यूनिट » आर्थो विभाग एवं ट्रामा यूनिट, नाक, कान, गला (ई.एन.टी) » एक्स-रे, खून, पेशाब की जांच (पैथोलॉजी) सोनोग्राफी डी- फिब्रीलेटर, वेन्टीलेटर-आई.सी.यू. की सुविधा » एम्बुलेन्स सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध है
837, गोल बाजार, जबलपुर, 9111014804
All Cashless Cards Accepted फोन- 07613130822

श्री शुभम् हॉस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
24 घंटे
आकस्मिक चिकित्सा
सभी विभागों में भर्ती
एम्बुलेंस तथा दवाईयां
पैथोलॉजी तथा एक्सरे
मेडिसिन एवं हृदय रोग
जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
आस्थित रोग, नाक-कान-गला
स्त्री एवं प्रस्तूति रोग
बाल रोग, न्यूरो तथा स्पाइन
कैंसर, मूत्र रोग विभाग
●पॉईजनिंग●बर्न यूनिट●हॉर्ट अटैक●एक्सीडेंट एवं ट्रॉमा यूनिट
मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सनिर्माण कर्मकार मण्डल के हितग्राहियों हेतु निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध
5 May श्री शुभम् हॉस्पिटल
मदन महल चौक, दशमेश द्वार के पास, नागपुर रोड, जबलपुर
फोन : 0761-4051253, 9329486447

JICS
माखनलाल चतुर्वेदी रा.प.एवं संचार विश्वविद्यालय से संबद्ध
प्रवेश प्रारंभ
M.Sc PG DCA DCA B.Com BCA TALLY
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर साइंस
अधारताल भारत गैस के बाजू में मेन रोड जबलपुर
PH.:0761-4066631Mo.:9827200559, 9893322108

ACST
Tally
PYTHON
JAVA
C, C++
CPCT
नए बैच प्रारम्भ
40% छूट
प्रदेश का अग्रणी संस्थान
SINCE 1996
चौपाटी के पास, सिविक सेंटर, जबलपुर मो: 4007077, 9993030707
Samacharsewa.ad

यश नर्सरी हा. से. स्कूल
Estd. 2004
बोर्ड कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ परिणाम के लगातार 15 वर्ष
9वीं /11 वीं फेल/ पास विद्यार्थी सीधे 10वीं/12 वीं फार्म भरें
10th/12th में परसेन्ट बढ़ाने CBSC/ICSE से MP BOARD में एडमीशन पर स्पेशल डिस्काउंट
English & Hindi Medium
बस एंव हॉस्टल सुविधा उपलब्ध
नोटः- हमारे प्रयास से श्रेष्ठ बच्चों के साथ-साथ कमजोर बच्चे भी बेहतर रिजल्ट लाकर दिखाते हैं, इसलिए हम देते हैं बोर्ड परीक्षाओं में शत् प्रतिशत 100% रिजल्ट
गुलाब टावर के सामने, साक्षी बाइक प्वाइंट के बाजू में मानसरोवर कालोनी, अधारताल, जबलपुर
सम्पर्कः- 9303580611, 6263988587, 7987974850, 0761-2680811 (समय- सुबहः 8 से शामः4 तक)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com